राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 17 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–237 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

भूमि के साथ रिक्रिएट किया आईकॉनिक सॉन्ग

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी अगली फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में, थैंक यू फॉर कमिंग का प्रीमियर 15 और 16 सितंबर को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में किया गया था। इस बीच अनिल कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें अनिल कपूर भूमि के साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में अनिल और भूमि एक्टर के आईकॉनिक सॉन्ग वन टू का फोर का हूक्सटेप करते हुए दिखाई दे रहे हैं। लुक की बात करे तो भूमि ब्लैक और बेज ड्रेस में दिखाई दीं। जबकि अनिल ब्लैक सूट में नजर आए। उन्होंने ब्लैक गॉगल्स भी लगा रखे हैं। सोशल मीडिया पर एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा- लखन ओल्ड इज गोल्ड। दूसरे यूजर ने लिखा- झकास। तीसरे ने लिखा, जितना दम अनिल जी में दिख रहा है वो बाकी मैं नहीं दिख रहा, अनिल जी रॉक्स। रिया कपूर और एकता कपूर की फिल्म में अनिल कपूर, भूमि पेडनेकर, कुशा कपिला, शहनाज गिल और डॉली सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म का डायरेक्शन रिया कपूर के पति करण बूलानी ने किया है। यह उनकी पहली फिल्म है।

2 की बॉडी मिली: सुरक्षाबल तीसरे की लाश नहीं उठा पाए

बारामूला । कश्मीर के बारामूला में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास उरी, हथलंगा इलाके में शनिवार यानी 16 सितंबर को सेना ने एनकाउंटर में तीनों आतंकियों को मार गिराया। मारे गए दो आतंकियों की तस्वीरें भी जारी की गई हैं। तीसरे आतंकी की लाश, बॉर्डर के पास पड़ी है। पाकिस्तान पोस्ट से लगातार फायरिंग होने के कारण बॉडी नहीं उठाई जा सकी है। तीनों की पहचान होना बाकी है। उरी-हथलंगा में सुबह आतंकियों के देखे जाने के बाद सेना-पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया था। इस दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। ये वही इलाका है जहां दिसंबर 2022 में सुरक्षा बलों ने एक बड़े आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। तब एक गुफा से हथियारों का जखीरा बरामद किया था। पिछले 6 दिनों में यह तीसरा एनकाउंटर है। 12 सितंबर को राजौरी में 2 आतंकी मारे गए और 1 जवान शहीद हुआ था। अनंतनाग के कोकेरनाग के जंगल में 13 सितंबर से एनकाउंटर जारी है। 4 जवान शहीद हो चुके हैं। यहां भी आतंकियों की तलाश जारी है। चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- तीन आतंकवादियों ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश की और सैनिकों ने उनका मुकाबला किया। दो आतंकवादियों के शव मिल गए हैं, लेकिन आसपास के इलाके में एक पाकिस्तानी चौकी से गोलीबारी के कारण तीसरे आतंकवादी का शव बरामद करने में दिक्कत हो रही है।

ऑपरेशन जारी है। वहीं जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में मंगलवार शाम को हुई आतंकियों से मुठभेड़ अभी भी जारी रही। यहां अब तक 4 जवान शहीद हो चुके हैं। अनंतनाग में पहाड़ी इलाके के घने जंगलों में छिपे आतंकियों की तलाश में करीब दो हजार जवान लगे हैं। ड्रोन सर्विलांस में जहां भी आतंकियों के छिपे होने की संभावना है, वहां मोर्टार दागे जा रहे हैं। हेलिकॉप्टर और स्निफर डॉग्स की भी मदद ली जा रही है। पीर पंजाल नाम का यह पहाड़ी इलाका करीब 4300 किमी में फैला है, जो सर्च ऑपरेशन के लिए बड़ी चुनौती है। फिलहाल नॉर्दर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी एनकाउंटर साइट पर मौजूद हैं। आतंकियों ने मंगलवार (12 सितंबर) शाम उस वक्त हमला किया था, जब सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस तलाशी अभियान चला रही थी। अब तक सेना के दो अधिकारी, एक जवान और एक पुलिस अधिकारी शहीद हो चुके हैं। राजौरी में भी इसी हफ्ते मंगलवार (12 सितंबर) को एनकाउंटर के दौरान एक जवान शहीद हो गया था और दो आतंकी मारे गए थे।

यहां सर्चिंग के दौरान एक आर्मी डॉग की भी मौत हो गई। उसने अपने हैंडलर की जान बचाने के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगा दी। राजौरी में एनकाउंटर साइट से सेना को एके-47 और गोलियां बरामद हुई थीं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले: सनातन पर विवाद दुर्भाग्यपूर्ण

लखनऊ। सनातन धर्म पर अलग-अलग दलों के नेताओं के विवादित बयान आने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को लेकर हो रहा विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला धर्म है। यह धर्म जाति, पंथ और मजहब से ऊपर उठकर संपूर्ण विश्व को अपना परिवार कहने वाला धर्म है। इसका न कोई आदि है न कोई अंत है। इस पर विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म को मानने वाली महिलाएं चीटियां दिखने पर उन्हें आटा डालती है। इस पर विवाद नहीं होना चाहिए। रक्षामंत्री लखनऊ में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन जल्द होगा। उन्होंने लखनऊ के विकास पर कहा कि फरवरी से लखनऊ में मिसाइलों का निर्माण होने लगेगा। शहीद पथ पर एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा शहर में 11 नए फ्लाईओवर बनाने और अवध चौराहे पर अंडर पास बनाने का प्रस्ताव है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ दौरे पर हैं।

इंडिया गठबंधन पर बरसे अनुराग ठाकुर

बिलासपुर। बिलासपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि संविधान को तार-तार करने वाले, मीडिया की आवाज दबाने वाले और सनातन धर्म को खत्म करने की सोच रखने वाले इंडिया गठबंधन को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सिर्फ चोला बदला है, लेकिन उनका चाल और चरित्र पहले की तरह ही है। उन्होंने कहा कि देश में आय से सबसे अधिक कर्ज लेने वाला राज्य पंजाब है। वहां आय कम और खर्चा ज्यादा है। पंजाब सरकार हर साल 600 करोड़ रुपये विज्ञापन पर खर्च करती है लेकिन खेल कूद पर नाम मात्र पैसा भी खर्च नहीं किया जा रहा। इसके

अलावा नशा मुक्ति अभियान पर कुछ नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने स्किल इंडिया के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रतिभावान बनाया है। मुद्रा योजना के तहत 34 करोड़ ऋण दिए गए। अब युवाओं के लिए प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर रविवार को विश्वकर्मा योजना लॉन्च की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य पंचायत स्तर पर युवाओं को प्रशिक्षित करना और कारीगरों को आर्थिक सहायता देना है। इससे पहले मंत्री अनुराग ठाकुर ने लुहणू खेल परिसर स्थित इंडोर स्टेडियम में हिमाचल शिक्षा समिति के प्रांतीय खेलकूद समारोह का शुभारंभ भी किया।

मोदी को लाइए नहीं तो सीमांचल में घुसपैठ बढ़ेगी: अमित शाह

बिहार में जंगलराज आने वाला है; लालू फिर से एक्टिव हो गए, नीतीश इन-एक्टिव

पटना। मधुबनी के झंझारपुर में रैली में गृहमंत्री अमित शाह ने लालू-नीतीश पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जंगलराज की याद दिलाई। कहा- मैं रोज बिहार के अखबार बारीकी से पढ़ रहा हूं। ये लोग फिर से जंगलराज ला रहे हैं। लालू जी एक्टिव हो गए...नीतीश जी इन-एक्टिव हो गए। अब आप सोच सकते हैं, बिहार का क्या होने वाला है। शाह ने कहा कि बिहार में बड़े बदलाव की जरूरत है, सरकार नहीं सुशासन चाहिए, गुंडाराज नहीं जनताराज चाहिए। तीन दशक से ज्यादा समय में जिन लोगों की सत्ता में भागीदारी रही है, वो ईमानदारी से काम कर लेते तो हमारे बच्चों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। अमित शाह ने 30 मिनट के स्पीच में 15 बार नीतीश कुमार, 14 बार लालू यादव का नाम लिया। साथ ही 6 बार लालू- नीतीश की सरकार और 12 बार पीएम मोदी का नाम लिया। अमित शाह ने लालू के जंगलराज की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े बदलाव की जरूरत है। सरकार नहीं सुशासन चाहिए। गुंडाराज नहीं जनताराज चाहिए। उन्होंने लालू के एक्टिव होने का डर दिखाया। लालू-नीतीश निशाने पर रहे। उन्होंने कहा कि लालू को बेटे को सीएम बनाना है। और हर बार की तरह नीतीश बाबू को प्रधानमंत्री बनना है। सीमांचल में घुसपैठ को लेकर डराया। अमित शाह ने कहा कि मोदी को लाइए नहीं तो सीमांचल में घुसपैठ और आतंक बढ़ जाएगा। पलायन पर कहा कि तीन दशक से ज्यादा समय में जिन लोगों की सत्ता में भागीदारी रही है, वो ईमानदारी से काम कर लेते तो हमारे बच्चों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। बिहार विधानसभा चुनाव मोदी के चेहरे पर ही होगा। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मोदी को ही जिताइए। रेलवे मंत्री रहते हुए लालू जी ने अरबों का भ्रष्टाचार किया। ये वढअ नाम के साथ नहीं आ सकते इसलिए इन्होंने कठ.ऊकअ गठबंधन नाम रखा। नाम कोई भी बदले यह वहीं लालू प्रसाद यादव हैं, जिसने बिहार को सालों तक पीछे धकेलने का काम किया। एम्स का मुद्दा उठाया शाह ने कहा कि दरभंगा एम्स पर नीतीश बाबू बोलते रहते हैं बहुत कम प्रदेश हैं जहां पर दो एम्स दिए गए हैं। मोदी जी ने पटना में एम्स दिया। 2020 दिसंबर में दरभंगा में दूसरा एम्स दिया। नीतीश जी ने 81 एकड़ भूमि दे दी पहले मेडिकल कॉलेज में बाद में इसको वापस ले लिया। अगर नीतीश जी ने भूमि वापस ना ले ली होती तो आज यहां पर एम्स बन गया होता और यहां पर मरीजों का इलाज हो रहा होता। उन्होंने कहा कि लालू-नीतीश की सरकार ने फतवा जारी किया, बिहार में रक्षा बंधन और जन्माष्टमी की छुट्टी नहीं होगी। बिहार की जनता ने जो विरोध जताया। सरकार को फैसला वापस लेना पड़ा। इसके अलावा बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के रामचरित मानस पर की गई टिप्पणी को अपमानजनक कहा।

लखनऊ में रेलवे कॉलोनी का मकान गिरा

पति-पत्नी और 3 बच्चों की मौत

लखनऊ । शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां आलमबाग में पुरानी रेलवे कॉलोनी में एक मकान गिर गया। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और 3 बच्चे हैं। हादसे का पता उस वक्त चला, जब सुबह मृतक के बेटे को उसका दोस्त बुलाने पहुंचा। उसने घर दरवाजा खटखटाया। मगर, कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। इसके बाद उसने खिड़की से झांक कर देखा, तो मकान की छत गिरी हुई थी। इसके बाद उसने तुरंत इस बारे में मोहल्ले के लोगों को बताया। फिर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, खाना खाने के बाद परिवार घर में सो रहा था। रात में करीब 3.30 और 4 बजे के

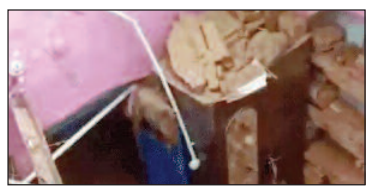

बीच हादसा हो गया। मगर, घटना के बारे में लोगों को सुबह 6-7 बजे के करीब चला। मृतकों की शिनाख्त सतीश चंद्र (40) सलोनी देवी (35) हर्षित (13) हर्षिता (10) अंश (5) के रूप में हुई है। आलमबाग स्थित रेलवे कॉलोनी में मृतक सतीश चंद्र अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में उनकी पत्नी एक बेटी और दो बेटे थे। उनकी मां राम दुलारी रेलवे में कर्मचारी थी, जिनकी कुछ दिन पहले मौत हो गई थी। सतीश चंद्र को मृतक आश्रित कोटे से

इंदौर में बारिश ने तोड़ा 61 साल का रिकॉर्ड

इंदौर । हो रही तेज बारिश ने 61 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। 1962 में 20 सितंबर को 6.65 इंच बारिश हुई थी,जबकि शुक्रवार से शनिवार सुबह तक 6.73 इंच हो चुकी है। सितंबर माह में 24 घंटे में अब तक हुई यह सर्वाधिक बारिश का रिकार्ड है। 1962 से पहले एक दिन में छह इंच बारिश वर्ष1896 में इंदौर में हुई थी। शुक्रवार शाम चार बजे से हुई बारिश ने शहर के कई हिस्सों को जलमग्न कर दिया है। एक दिन में हुई छह इंच से ज्यादा बारिश से कई बस्तियों में पानी भर चुका है। शहरवासियों ने सितंबर माह में इतनी बारिश इससे पहले कभी नहीं देखी। वर्षों बाद इतनी बारिश सितंबर माह में हो रही है। इंदौर में इससे पहले 1962 में छह इंच बारिश हुई थी। 61 साल बाद शहर में छह इंच से ज्यादा बारिश हुई है। बंगाल की

खाड़ी पर बने कम दबाव के क्षेत्र और अरब सागर से आ रही नमी के कारण इंदौर में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन भी शहर में तेज बारिश होगी। इंदौर में सितंबर माह में सर्वाधिक वर्षा का रिकॉर्ड 1954 में बना था। तब इंदौर में 30 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। अब तक यह रिकॉर्ड नहीं टूटा है। बारिश के इस सीजन में जुलाई में भी हुई बारिश ने दस साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। जुलाई माह में 22 इंच बारिश हुई थी। इतनी बारिश 10 साल पहले इंदौर में हुई थी,जबकि अगस्त में सबसे कम बारिश हुई।

मोदी 17 सितंबर को यशोभूमि का इनॉगरेशन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को नई दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन और एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) के पहले पार्ट का इनॉगरेशन करेंगे। सरकार ने इसे लगभग 5400 करोड़ रुपये में बनाया। यह कन्वेंशन सेंटर 8.9 लाख वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है और दुनिया के सबसे बड़े टक्छए स्थानों में से एक होगा। यशोभूमि में एक शानदार कन्वेंशन सेंटर, कई प्रदर्शनी हॉल और अन्य सुविधाएं हैं। कन्वेंशन सेंटर में 11000 से अधिक लोगो के बैठने की क्षमता है, - जिसमे 15 कन्वेंशन रूम, ग्रैंड बॉलरूम और 13 मीटिंग रूम शामिल हैं -

कन्वेंशन सेंटर का प्लेनरी हॉल विजिटर को ग्लोबल लेवल एक्सपीरियंस प्रदान करेगा - यशोभूमि को दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन से जोड़ा जाएगा - पीएम द्वारका सेक्टर 21 से नए मेट्रो स्टेशन 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' तक दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के एक्सपेंशन का भी उद्घाटन करेंगे। यशोभूमि के

अलावा पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को द्वारका सेक्टर - 21 से यशोभूमि द्वारका सेक्टर - 25 तक एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का इनॉगरेशन करेंगे। नया यशोभूमि द्वारका सेक्टर -25 एक अंडर ग्राउंड स्टेशन है जो सीधे शहर के महत्वपूर्ण स्थलों जैसे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से जुड़ा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुर्खियों की राजनीति

जब चुनाव करीब हों, तब अखबारों की सुर्खियां अनायास ध्यान खींचने लगती हैं और अध्ययन-मनन का विषय बन जाती हैं। आधुनिक दुनिया में जब प्रचार-प्रसार का महत्व बढ़ता ही चला जा रहा है, तब स्वाभाविक ही राजनीति भी ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार केंद्रित होती जा रही है। राजनीति शास्त्र में भी यह माना जाने लगा है कि एक लोकप्रिय राजनीतिज्ञ वही है, जो किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा में रहता है। जो राजनेता चर्चा में नहीं रहते हैं, उनको लोग भी भुला देते हैं और उन्हें चुनाव जीतने में भी परेशानी आती है। आज की आपाधापी में सामान्य खबरों के लिए जगह सिमटती जा रही है। बड़ी खबरों में भी जो बहुत बड़ी खबरें हैं, वही सुर्खियों में आ पाती हैं। किसी भी देश या समाज में सत्ता का जो समीकरण होता है, वही शायद सुर्खियां तय करता है। बड़ी से बड़ी खबर को हाशिये पर किया जा सकता है, अगर उससे भी बड़ी खबर पैदा कर दी जाए। अक्सर यह देखा गया है कि विपक्ष भले ही अपनी पसंद का मजबूत मुद्दा चुन ले, पर अगर सत्तापक्ष सशक्त हो, तो वह उस विषय में भी नैरेटिव या कहानी को अपनी ओर मोड़ने में कामयाब हो सकता है। सुर्खियों की राजनीति की अनेक मिसालें हैं, जिनकी चर्चा एक परिपक्व लोकतंत्र में जरूर होनी चाहिए। इससे देश को और बेहतर समझने में मदद मिलती है। साथ ही, सही फैसला करना आसान हो जाता है। अब इसमें कोई दोराय नहीं है कि जब चुनाव सामने हैं, तब करीब 28 दलों ने मिलकर एक मजबूत विपक्ष खड़ा कर लिया है, जिसका नाम 'इंडिया' रखा गया है और जिसकी खूब चर्चा है। शुरू में ऐसा लगा कि इंडिया नाम से बना गठबंधन परिचय के मामले में बाजी मार ले जाएगा, लेकिन सत्ता पक्ष ने भारत शब्द की पक्षधरता का बिगुल बजाकर मुकाबले को तगड़ा बना दिया। कहानी इंडिया बनाम भारत बन गई। इसमें कोई शक नहीं कि भारत शब्द का समाज और भावार्थ व्यापक है। नतीजा यह कि जहां इंडिया की चर्चा हो रही है, वहां भारत शब्द की भी गूंज है। कुल मिलाकर, लोगों के बीच एक आम धारणा यह बनी है कि सिर्फ इंडिया नाम रख लेने से काम आसान नहीं हो जाएगा। तय है, आगामी दिनों में सुर्खियों की राजनीति खूब होगी और इससे कतई बचा नहीं जा सकता। ध्यान दीजिए, जब जून महीने के उत्तरार्द्ध में विपक्षी गठबंधन की पटना में बैठक हुई, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका दौरे की खबरें सुर्खियों में चल रही थीं। जब जुलाई में बेंगलुरु में 26 दलों वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया की दूसरी बैठक हुई, तब दिल्ली में एनडीए की बैठक में 38 दल शामिल हो गए। विपक्ष की लोकतांत्रिक एकजुटता का जवाब सत्तापक्ष ने भी अपनी विशालता से दिया। अगस्त के अंत में जब मुंबई में विपक्ष की बैठक शुरू हुई, तब मुंबई में ही एनडीए की बैठक भी आयोजित हुई। दो-तीन दिनों तक एक देश-एक चुनाव, आदित्य एल1, संसद के विशेष सत्र और रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष की नियुक्ति की खबरों ने विपक्षी महागठबंधन से संबंधित खबरों को तगड़ी चुनौती दी। उसके बाद 13 सितंबर को जब नई दिल्ली में विपक्षी दल साथ बैठे, तब भी केंद्र सरकार ने अनेक बड़े फैसलों की घोषणा की। एक सफलतम योजना उज्ज्वला के विस्तार के साथ ही संसद के विशेष सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक की घोषणा सुर्खियों में आ गई। सुर्खियों में रहने का यह संग्राम जितना स्वाभाविक है, उतना ही दिलचस्प भी रहेगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

प्रकृति के उपासना का महापर्व करमा

(लेखक-कुमार कृष्णन)

प्रकृति का महापर्व है करमा। यह झारखंड के प्रमुख त्योहारों में से एक है। हालांकि आदिवासी समुदाय द्वारा यह पर्व झारखंड के अलावा ओडिशा बंगाल छत्तीसगढ़ और असम में भी धूमधाम से मनाया जाता है।यहां के आदिवासी तथा मूलवासी लोग इस त्योहार को बड़े ही धूमधाम तथा हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। करमा पर्व प्रकृति और अध्यात्म के बीच अटूट संबंध को दर्शाता है। पर्व में आदिवासी परंपराएं जीवंत होती है। लोक कथाओं में मान्यता है कि आदिवासी समाज खेती बारी करने के बाद अच्छी फसल की कामना से करम देव की पूजा अर्चना करते हैं। इस कारण इसे कृषि पर्व भी कहा जाता है।

यह पर्व सितंबर के आसपास भादो के एकादशी को करमा पर्व मनाया जाता है। भाई की सुख समृद्धि के लिए गांव भर की बहने उपवास करती है। यह पर्व झारखंड के आदिवासी मूलवासी सभी मिलकर मनाते हैं। कर्मा झारखंड के आदिवासियों का एक प्रमुख त्योहार है। इस मौके पर पूजा करके आदिवासी अच्छे फसल की कामना करते हैं। साथ ही बहनें अपने भाइयों की सलामती के लिए प्रार्थना करती है। करमा के अवसर पर पूजा प्रक्रिया पूरा होने के बाद झारखंड के आदिवासी मूलवासी ढोल मांदर और नगाड़ा के थाप पर झूमते है एवं सामूहिक नृत्य करते हैं। यह पर्व सभी लोगों के लिए परंपरा की रक्षा के साथ-साथ मनोरंजन का भी एक अच्छा साधन है जहां पुरुष रात में पेय पदार्थों का सेवन कर पूरी रात नाचते गाते हैं। यह पर्व झारखंड के साथ-साथ अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश उड़ीसा एवं बंगाल के आदिवासियों द्वारा भी धूमधाम से मनाया जाता है।

भादो की एकादशी को करमा पर्व मनाया जाता है। यह पर्व झारखंड के आदिवासी सभी मिलकर मनाते हैं। 9 दिन पहले पूजा के लिए टोकरियों में नदी का बालू रखकर उसे सजा कर उसमें सात प्रकार का अन्न बोया जाता है जो पूजा दिन तक अंकुरित हो जाता है। जिसे 'जावा' फूल कहा जाता है। पूजा स्थानों को पत्तों फूलों से सजाया जाता है। पूजा में बैठने वाली व्रती स्नान कर शाम में नए वस्त्र धारण कर पूजा में शामिल होती है। शाम को ही करम डाल को काटकर युवा लाते हैं। दाल का स्वागत पुजारी उसे विधि पूर्वक पूजा स्थान में स्थापित करते हैं। पूजा के साथ ही करमा-धरमा कथा सुनाई जाती है।

तत्पश्चात पूजा के बाद जावा फूलों को कानों में खोंस कर युवा युवती और भी अन्य लोग मांदर ढोल और नगाड़ा की धुन पर करमा गीतों पर सामूहिक नृत्य करते हैं और या प्रक्रिया काफी समय तक चलता रहता है।

कहा जाता है कि करमा-धरमा दो भाई थे। दोनों बहुत मेहनती व दयावान थे कुछ दिनों बाद करमा की शादी हो गई उसकी पत्नी अधर्मी और दूसरों को परेशान करने वाली विचार की थी। यहां तक कि धरती मां के पीड़ा से बहुत दुखी था। और इससे नाराज होकर वह घर से चला गया उसके जाते ही सभी के कर्म किस्मत भाग्य भी चला गया और वहां के लोग दुखी हो गए और धरमा से लोगों की परेशानी नहीं देखी गई और वह अपने भाई को खोजने निकल पड़ा। कुछ दूर चलने पर उसे प्यास लग गई आसपास कहीं पानी नहीं था। दूर एक नदी दिखाई दिया वहां जाने पर देखा कि उसमें पानी नहीं है। नदी ने धर्मा से कहा जबसे आपके भाई यहां से गए हैं तब से हमारा कर्म फूट गया है, यहां तक की पेड़ के सारे फल ऐसे ही बर्बाद हो जाते हैं अगर वे मिले तो उनसे कह दीजिएगा और उनसे उपाय पूछ कर बताइएगा। धर्मा वहां से आगे बढ़ गया आगे उसे एक वृद्ध व्यक्ति मिला उन्होंने बताया कि जब से करमा यहां से गया है, उनके सर के बोझ तब तक नहीं उतरते हैं जब तक तीन चार लोग मिलकर ना उतारे। ये बात करमा से कहकर निवारण के उपाय बताना, धर्मा वहां से भी बढ़ गया। आगे उसे एक महिला मिली उसने बताई कि जब से वे गए हैं खाना बनाने के बाद बर्तन हाथ से चिपक जाते हैं, इसके लिए क्या उपाय हैं, आप करमा से पूछ कर बताना। धरमा आगे चल पड़ा, चलते चलते एक रेगिस्तान में जा पहुंचा, वहां उसने देखा कि करमा धूप गर्मी से परेशान हैं उसके शरीर पर फोड़े फुंसी पड़े हैं, और वह व्याकुल हो रहा है। धरमा से उसकी हालत देखी ना जा रही थी। उसने करमा से आग्रह किया कि हुआ घर वापस चले तो कर्मा ने कहा कि मैं उस घर कैसे जाऊं जहां पर मेरी पत्नी जमीन पर माड़ फेंक देती है तब धर्मा ने वचन दिया कि आज के बाद कोई भी महीना जमीन पर माड़ नहीं फेकेगीं, फिर दोनों भाई वापस चले तो उस सबसे पहले वो महिला मिली तो उससे करमा ने कहा कि तुमने किसी भूखे को खाना नहीं खिलाया था इसलिए तुम्हारे साथ ऐसा हुआ, आगे अंत में नदी मिला तो करमा ने कहा तुमने किसी प्यासे को साफ पानी नहीं दिया, आगे किसी को गंदा पानी मत पिलाना आगे कभी ऐसा मत करना, तुम्हारे पास कोई आए तो साफ पानी पिलाना। इसी प्रकार उसने सबको उसका कर्म बताते हुए घर आया और पोखर में करम का डाल लगाकर पूजा किया। इसके बाद पूरे इलाके में लोग फिर से खुशी से जीने लगे और फिर से खुशहाली लौट आई उसी को याद कर आज करमा पर्व मनाया जाता है।

पिछले कुछ समय में जिस प्रकार से आधुनिकता की हवा वही है उससे कोई अछूता नहीं रहा है सभी संस्कृतियों में इसका प्रभाव देखने को मिली है। आधुनिकता के प्रभाव में आकर ही सभी पर्व को मनाने के तौर-तरीकों में भी बदलाव आया है। कुछ दशक पहले सादगी से मनाया जाता था, परंतु पिछले कुछ वर्षों से कर्मा पर धूमधाम और रौनक के साथ मनाया जाने लगा है। विभिन्न सरना समिति एवं मोहल्ले में होने वाली पूजा के दौरान पूजा स्थान की सजावट में भी रचनात्मकता देखने को मिलती है। आज करमा गीतों में भी आधुनिकता का रंग चढ़ा है। श्रृंगार एवं वस्त्र में भी बदलाव देखने को मिल रहा है।

झारखंड की धरती हमेशा अपनी संस्कृति व पर्वो को मनाने के अंदाज़ के लिए जाना जाता है। सभी पर्वों में विशेष रुप से देखा गया है अलग-अलग पूजा विधि है। सभी पर्वों में करमा को खास माना जाता है। यह इसलिए खास हो जाता है कि इस पर्व में प्रकृति के पूजा के साथ-साथ भाइयों एवं बहनों के मध्य प्रेम का भी प्रतीक है। करमा में होने वाले नृत्य जो कि समूह में हाथ पकड़ कर एक श्रृंखला बनाकर किया जाता है।

(विश्वकर्मा जयंती पर) श्रेष्ठ जीवन का निर्माण खुद से शुरू

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

हम अपने जीवन के खुद ही विश्वकर्मा है। इसलिए हमें अपने जीवन में श्रेष्ठ कर्मों का निर्माण करना चाहिए। जिससे हमारा जीवन तो श्रेष्ठ बनें ही साथ ही दूसरों का भी जीवन महान बन जाये। हम अपने श्रेष्ठ कर्मो से ही अपनी पहचान बना सकते हैं। परमात्मा ने हमारे हाथ में कला दी है। परन्तु उसमें भाव और भावना का विकास हो तो उससे होने वाला निर्माण अच्छा होगा। इसलिए घर, परिवार और समाज का निर्माण ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जैसे विश्व कर्मा ने एक नया संसार बनाया ऐसे ही हमे भी नया समाज बनाना है। एक ऐसी दुनिया का निर्माण हो जहॉ किसी भी प्रकार की कुरीति और कुसंस्कार ना रहे। इसके लिए परमात्मा जो राजयोग ध्यान सीखाते है ,उसे अपने जीवन में अपनाना है। ब्रह्माकुमारीज प्रमुख रही दादी जानकी का जीवन भी एक विश्वकर्मा की तरह था। वे जिधर जाती थी,उन्हें देखकर लोगों में श्रेष्ठ कलाओं का विकास हो जाता था। उन्होंने पूरी दुनिया में ईश्वरीय संदेश फैलाया।उन्होंने श्रेष्ठ जीवन का निर्माण पहले खुद से ही शुरू करने की पहल की। तभी अपने घर से ही विश्वकर्मा बनने की पहल करने की जरूरत है। विश्वकर्मा को देवताओं का वास्तुकार कहा जाता है। इसके साथ ही उन्हें संसार का पहला इंजीनियर और वास्तुकार भी माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती के दिन लोग अपने करियर में सफलता प्राप्ति के लिए विश्वकर्मा की पूजा करते हैं।विश्वकर्मा ने ही देवताओं के लिए महलों, हथियारों और सिंहासनों का निर्माण किया था। रावण की लंका से लेकर श्रीकृष्ण की द्वारिका और पांडवों के इंद्रप्रस्थ का निर्माण विश्वकर्मा द्वारा ही किया गया था। इस दिन लोग अपनी मशीनों, औजार और वाहन आदि की पूजा करते हैं ताकि वह बिना किसी रुकावट के काम करती रहे। साथ ही विश्वकर्मा पूजा के विशेष दिन पर कामकाजी लोग अपने बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए विश्वकर्मा की आराधना करते हैं। विश्वकर्मा जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करें। इसके बाद अपने ऑफिस, दुकान या फैक्ट्री की अच्छे से साफ सफाई करें, साथ ही अपने कामकाजी उपकरणों, औजार और मशीनों आदि की भी अच्छे से साफ सफाई करें। इसके बाद अपने कार्यक्षेत्र में गंगाजल का छिड़काव करें। पूजा स्थल पर कलश स्थापित करें और लाल चौकी पर पीला या लाल कपड़ा बिछाकर विश्वकर्मा जी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। अब विश्वकर्मा की प्रतिमा को माला पहनाएं। अपने हाथ में फूल और अक्षत लेकर उनका ध्यान करें इसके बाद अपनी मशीन और हजारों में रक्षा सूत्र बांधे। भगवान को फल और मिठाई का भोग लगाएं। विश्वकर्मा का ध्यान करते हुए अपने अपने कार्यक्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना करें।विश्वकर्मा ने ही भगवान शिव का त्रिशूल, विष्णु भगवान का सुदर्शन, रावण की लंका और पुष्पक विमान, जगन्नाथपुरी, यंत्र का निर्माण, विमान विद्या, देवताओं का स्वर्गलोक, हस्तिनापुर, कृष्ण की द्वारिका, इंद्रपुरी आदि कई चीजें तैयार की थीं। भगवान विश्वकर्मा को ही पहला इंजीनियर माना जाता है। ब्रह्माजी ने जब सृष्टि की रचना की थी, तब उसके सजाने और संवारने का काम विश्वकर्माजी ने ही किया था। विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर 2023 दिन रविवार को की जाएगी। वैसे तो शिल्पकार विश्वकर्मा की पूजा दिनभर की जाती है लेकिन इनकी पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 50 मिनट से 12 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। मन की आंतरिक शुद्धि से ही हम एक सुंदर संसार का निर्माण कर सकते हैं। जब तक मनुष्य का मन शुद्ध नहीं तब तक संसार भी सुंदर नहीं हो सकता।इसलिए मन के साथ तन सुंदर हो तभी द्वारिका बन सकती है और तभी कलियुग का अवसान कर परमात्मा शिव विश्वकर्मा रूपी ब्रह्माबाबा के माध्यम से सतयुग रूप नही दुनिया का निर्माण कर सकते है।

विचार मंथन

बिना सहमति लोकेशन ट्रैक करने, गूगल पर 773 करोड़ का जुर्माना

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

अमेरिका में बिना सहमति यूजर्स की लोकेशन को ट्रैक करने का आरोप प्रमाणित पाए जाने पर, गूगल पर 773 करोड रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल राब बोंटा ने इस आरोप मुकदमा दर्ज कराया था। गूगल के ऊपर आरोप था कि उपभोक्ताओं को उनके लोकेशन से जुड़े आंकड़ों पर ज्यादा नियंत्रण सौंपने का भृम देकर, उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी की गई है। लोकेशन एप को बंद करने के बाद भी, यूजर की लोकेशन ट्रैक करने का काम गूगल द्वारा जारी रखा गया। इस मामले की सुनवाई में आरोपों को सही पाया गया। गूगल के ऊपर 773 करोड रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया। भारत में गूगल और एंड्रॉयड एप के माध्यम से भारतीय उपभोक्ताओं का बड़े पैमाने पर डेटा एकत्रित करने उनकी जासूसी करने तथा व्यापारिक हितों के लिये भारतीय उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है। उपभोक्ताओं तरह-तरह की जानकारी एकत्रित कर इसका व्यापारिक उपयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। भारतीय उपभोक्ताओं के हितों एवं उनके अधिकारों को लेकर गूगल जैसी कंपनियां भारतीय नागरिकों का लगातार आर्थिक शोषण कर रहे हैं। गलत जानकारी देकर और निशुल्क सुविधाओं देकर गूगल और युटुब जैसे चैनल भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने, कॉपीराइट एक्ट का उल्लंघन करने, बौद्धिक संपदा को जबरदस्ती हथियाना तथा उपभोक्ताओं की जासूसी कर रहे हैं। गूगल और एंड्रॉयड एकाधिकार के बल पर भारतीय उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। गूगल और एंड्रॉयड एप के माध्यम से जो सेवाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उपभोक्ताओं को दी जा रही हैं। उसमें भारतीय उपभोक्ताओं के हितों का सुरक्षित करने का काम भारत सरकार नहीं कर रही है। भारत सरकार के पास अभी तक ऐसी कोई एजेंसी नहीं है। जो गूगल, एंड्राइड, युटुब, फेसबुक जैसी संचार से जुड़ी सोशल मीडिया की कंपनियों की सेवाओं के बारे में नजर रख पाएं। एकाधिकार के बल पर जिस तरह से सोशल मीडिया की कंपनियां मनमानी कर रही हैं। आम नागरिकों के हितों और उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रही हैं। भारत सरकार अपने ही नागरिकों को संरक्षण देने का काम नहीं कर रही है। भारत की बौद्धिक संपदा बड़ी तेजी के साथ सारी दुनिया में फैल रही है। इस संपदा पर गूगल और युटुब जैसे सोशल मीडिया के बड़े-बड़े संस्थान, बिना पैसे दिए काफी राइट के अधिकार अपने पास ले रहे हैं। उपभोक्ताओं की समस्त जानकारी को व्यापारिक हितों के लिए उपयोग कर रहे हैं। तकनीकी के माध्यम से एक तरह से भारतीय नागरिकों के साथ, बाजारवाद में लूट हो रही है। उस पर किसी किस्म का नियंत्रण न तो नागरिक कर पा रहे हैं। नाही सरकार इस मामले में सजग है। विदेशी कंपनियों को लूटने के लिए खुलेआम भारत का बहुत बड़ा बाजार विदेशी कंपनियों को उपलब्ध करा दिया गया है। अभी तक सरकारी स्तर पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जैसी कार्यवाही अमेरिका एवं अन्य देशों में इन कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए, वहां पर कानूनी शिकंजा लगातार कसा जा रहा है। पिछले एक दशक में अमेरिका एवं अन्य यूरोपीय देशों में सोशल मीडिया की इन कंपनियों के ऊपर करोड़ों रुपए की जुर्माना की कार्रवाई कई देशों में हुई है। सोशल मीडिया की कंपनियों ने उन देशों में अरबों डॉलर का जुर्माना भी अदा किया है। वहां के नागरिकों का उत्पीड़न नियंत्रित हुआ है। भारत सरकार इस मामले में आंख मूंद करके बैठी हुई है। भारत सरकार को इस मामले में त्वरित कार्यवाही करनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह की कार्रवाई गूगल, फेसबुक, यूट्यूब इत्यादि सोशल मीडिया की कंपनियों पर सरकारों एवं न्यायालयों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सोशल मीडिया कंपनियों की सेवाओं में नागरिकों को संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। ऐसा कोई भी प्रयास भारत में होता हुआ दिख नहीं रहा है।

समय रहते भारत सरकार को इस दिशा में प्रयास करने की जरूरत है। इन कंपनियों के लिए कुछ नियम कानून एवं सेवाओं के संबंध में तकनीकी जानकारी एवं जिम्मेदारी के लिए भी इन कंपनियों को जिम्मेदार बनाने और उपभोक्ताओं के अधिकारों को संरक्षित करने के लिये कानूनी प्रावधान किये जाने चाहिए। अन्यथा भारत के करोड़ों उपभोक्ताओं को लूटने का कोई भी मौका विदेशी कंपनियां नहीं छोड़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईवी एक्सपो में डायनामो ने 6 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स किए लॉन्च

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी डायनामो ने ईवी इं डिया एक्सपो 2023 में अपनी कुल 6 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की रेंज को लॉन्च कर दिया है। इन स्कूटर्स में लो और हाई स्पीड वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर्स शामिल हैं। लांच किए गए 6 इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में इन्फीनिटी, एल्फा, स्माइली, आरएक्स1, आरएक्स4 और वीएक्स1 मॉडल्स शामिल हैं। हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर में आरएक्स1 और आरएक्स4 शामिल हैं, जो 2-3 किलोवॉट की फास्ट चार्जिंग लिथियम बैटरी के साथ अधिकतम 65 किलोमीटर प्रति घण्टा की स्पीड देते हैं। इनकी कीमत 82,000 और 99,000 रुपये एक्स-शोरूम है। लो स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर में एल्फा, स्माइली, इन्फीनिटी और वीएक्स1 शामिल हैं, जो एक बार 3-4 घण्टे चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की रेंज देते हैं। ये 2-3 किलोवॉट की लिथियम-आयन बैटरी और 10 एवं 12 इंच के टायर साइज़ के साथ राईड को स्मूद बनाते हैं और 55000 रुपये की शुरूआती कीमत एक्स-शोरूम पर कंपनी की डीलरशिप्स में उपलब्ध हैं। इनमें फायर प्रूफ़ बैटरी, स्वैपेबल बैटरी, स्मार्ट बीएफएस, जीपीएस और आईओटी टेकनोलॉजी जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन मॉडलों में मल्टीपरपज़ एवं किफ़ायती प्रोडक्ट्स को आकर्षक रंगों में पेश किया गया है। पर्यावरण के अनुकूल ये वाहन अतिरिक्त एक्सेसरीज़ के साथ उपलब्ध हैं जैसे ब्लूटुथ स्पीकर, एंटी-थेफ्ट अलार्म, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम। उनके प्रोडक्ट्स इन-हाउस बैटरी सिस्टम से पावर्ड हैं और किफ़ायती दाम पर राइडरों को राईड का, खासतौर पर लास्ट माईल डिलीवरी का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करते हैं।

आवास ऋण को छत पर सौर ऊर्जा इकाई लगाने से जोड़ेगी एसबीआई

मुंबई । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बहुपक्षीय एजेंसियों से जुटाई गई दीर्घकालिक जलवायु कार्रवाई निधि से वित्तपोषित आवासीय परियोजनाओं के लिए कर्ज आवंटन में छत पर सौर ऊर्जा इकाई की स्थापना को अनिवार्य बनाने की योजना बनाई है। एसबीआई ने जून में 6.3 लाख करोड़ रुपए का आवास ऋण स्वीकृत किया। बैंक पर विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और जर्मनी के केएफडब्ल्यू जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों का 2.3 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण बकाया है। एसबीआई के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि यदि आवासीय परियोजना हमारे हरित कोष से वित्तपोषित है तो हम बिल्डरों के लिए छत पर सौर ऊर्जा इकाई लगाने को अनिवार्य बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने यहां हाल ही में सिडबी द्वारा आयोजित वैश्विक एसएमई सम्मेलन के कहा कि वास्तव में हम आगे चलकर इसे आवास ऋण आवेदकों के लिए एक एकीकृत सौदा बनाने की योजना बना रहे हैं। ये ऋण 10 वर्षीय या 20-वर्षीय अवधि के साथ आते हैं जिससे उधार लेने वाले बैंकों के लिए विदेशी मुद्रा जोखिम पैदा होता है।

टाटा स्टील के साथ यूके व ब्रिटेन की सरकार ने किया 125 करोड़ पाउंड के निवेश पर करार

मुंबई ।

टाटा स्टील के साथ यूके और ब्रिटेन की सरकार ने पोर्ट टैलबट साइट पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस स्टीलमेकिंग में 125 करोड़ पाउंड के निवेश के प्रस्ताव का संयुक्त समझौता किया है। इस निवेश में ब्रिटेन की सरकार से 50 करोड़ पाउंड का अनुदान शामिल है। इस राशि का उपयोग संयंत्र को आधुनिक बनाने और कार्बन उत्े सर्जन कम करने के लिए किया जायेगा। यह परियोजना ब्रिटेन की इस्पात सुरक्षा को मजबूत करेगी और यह स्थानीय इस्पात उद्योग में कार्बन उत्े सर्जन कम करने की दिशा में पहला बड़ा कदम होगा, जिससे एक दशक में प्रत्यक्ष उत्सर्जन में पांच करोड़ टन की कमी आएगी। टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि ब्रिटेन सरकार के साथ समझौता इस्पात उद्योग और वास्तव में ब्रिटेन में औद्योगिक मूल्य श्रृंखला के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण है। महारानी की सरकार और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ ब्रिटेन में टिकाऊ इस्पात निर्माण के भविष्य के लिए प्रस्तावित संक्रमण मार्ग विकसित करने का काम करना बेहद खुशी की बात है। प्रस्तावित परियोजना में टाटा स्टील की बैलेंस शीट का पुनर्गठन भी शामिल होगा, जिसमें ब्रिटेन ऑपरेशन में मौजूदा नकदी घाटे और विरासती निवेशों की गैर-नकद हानि को संभावित रूप से समाप्त किया जाएगा। संक्रमण अवधि और परियोजना चरण के दौरान, टाटा स्टील यूके ग्राहक और बाजार प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उत्पादों की निर्बाध और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम करेगा, जिसमें इसकी डाउनस्ट्रीम इकाइयों को खिलाने के लिए स्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं से अतिरिक्त स्टील सब्सट्रेट का आयात भी शामिल है। टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टी.वी. नरेंद्रन ने कहा` कि टाटा स्टील यूके को अपने जीवन के अंत के करीब पहुंच रही भारी सुविधाओं के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

ढाई करोड़ रुपये कीमत में लेक्सस एलसी 500 एच बाजार में आया

नई दिल्ली । लेक्सस ने अपनी स्पोर्ट्स कूपे एलसी 500एच के नए 2024 लिमिटेड एडिशन को मार्केट में उतार दिया है। जिसकी शुरुआती कीमत 2.50 करोड़ रुपये रखी गई है। मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में कंपनी ने 2.39 करोड़ रुपये की कीमत पर लेक्सस एलसी 500 एच को लॉन्च किया था। लिमिटेड एडिशन लेक्सस एलसी 500 एच रेगुलर अवतार की तुलना में ज्यादा महंगा है। हालांकि इसमें कई बदलाव किए गए हैं। लेक्सस एलसी 500 एच लिमिटेड एडिशन में 3.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड वी6 पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो एक इलेक्ट्रिक मोटर और एक सेल्फ-चार्जिंग लिथियम-आयन बैटरी से जुड़ा है। इसका इंजन 300एचपी की पावर और 348एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। वहीं इलेक्ट्रिक मोटर 359एचपी के संयुक्त आउटपुट के लिए 180एचपी और 330एनएम की टॉर्क प्रोड्यूस करता है। एलसी 500एच एक हाइब्रिड सिस्टम का उपयोग करता है, जिसमें सीवीटी के साथ 4-स्पीड ऑटोमैटिक शामिल है। लेक्सस एलसी 500 एच लिमिटेड एडिशन में सेमी डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ नया 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, 12-स्पीकर साउंड सिस्टम, वायरलेस ऐप्पल कारप्ले, हवादार फ्रंट सीटें, एम्बिएंट लाइटिंग, हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज़ कंट्रोल, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी का कहना है कि सिर्फ चुनिंदा यूनिट्स की उपलब्धता के साथ, यह एक्सक्लूसिव मास्टरपीस उन लोगों के लिए है जो ऑटोमोटिव शिल्प कौशल में सर्वोत्तम की मांग करते हैं। एलसी 2024 लिमिटेड एडिशन के अंदर कदम रखने से ग्राहक न सिर्फ विलासिता की ऊंचाई का अनुभव करेंगे बल्कि एक शार्प ड्राइविंग एक्सपीरियंस का भी आनंद लेंगे जिसे सड़क पर हर पल को ऊंचा उठाने के लिए डिजाइन किया गया है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले बेहतर संकेतों की वजह से सप्ताह के ओ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार आधा फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह भर शेयर बाजारों में तेजी का रुख रहा। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 245.37 अंकों की बढ़त के साथ 66,844.28 पर खुला और 176 अंकों की बढ़त के साथ 19996.35 पर बंद हुआ। जबकि एनएसई का निफ्टी 83.85 अंक चढ़कर 19,903.80 पर खुला और 528 अंक उछलकर 67,127.08 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार खुलने के दौरान सेंसेक्स में 300 अंकों का उछाल दिखा जबकि निफ्टी 20100 के स्तर को छू गया। सेंसेक्स 308 अंकों की तेजी के साथ 67,434 पर खुला और 94.05 अंक चढ़कर 67,221.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 74 अंकों की तेजी के साथ 20,071 पर खुला और 3.15 अंक टूटकर 19,993.20 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 168 अंकों की गिरावट के साथ 67,053 पर खुला और 245.86 अंक उछलकर 67,466.99 पर बंद हुआ। निफ्टी 49 अंकों की गिरावट के साथ 19,944 पर खुला और 76.80 अंक की बढ़त के साथ पहली बार 20,070 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 213 अंक बढ़कर 67,680 पर खुला और 52.01 अंक चढ़कर 67,519 पर बंद हुआ। निफ्टी भी पिछले सत्र के मुकाबले 69 अंकों अंकों की बढ़त के साथ 20,138 पर खुला और 33.10 अंक की बढ़त के साथ 20,103.10 के सार्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। चीन के उम्मीद से अधिक वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा अमेरिकी ब्याज दरों में नरमी से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 225 अंक बढ़कर 67,744 पर खुला और 319.63 अंक (0.47 फीसदी) उछाल के साथ 67,838.63 पर बंद हुआ। निफ्टी 58 अंकों की तेजी के साथ 20161 पर खुला और 89.25 अंक (0.44 फीसदी) की तेजी के साथ 20,192.35 पर बंद हुआ।

गोआ में 8, 9 दिसंबर को आयोजित होगा इंडिया बाइक वीक

नई दिल्ली । भारत में सबसे बड़ा बाइकिंग फेस्टिवल 10वीं बार गोवा में 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होगा। इवेंट में लाइव संगीत प्रदर्शन, सेमिनार और कार्यशालाएं और कुछ शौकिया दौड़ गतिविधियां और अन्य कार्यक्रम होंगे। इस संबन्ध में सेवेंटी ईएमजी (आयोजन इकाई) के सीईओ और संस्थापक, मार्टिन दा कोस्टा ने कहा, कि इस साल गोवा में आईबीडब्ल्यू की दसवीं वर्षगांठ के लिए गल्फ ऑयल के साथ साझेदारी करके मुझे खुशी हो रही है। पिछले एक दशक में, इंडिया बाइक वीक ने देश में मोटरसाइकिल संस्कृति के आश्चर्यजनक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश भर से हजारों सवारियाँ जीवन की सभी आवश्यक खुशियाँ - कामरेडशिप, मौज-मस्ती, रोमांच, यात्रा, स्वतंत्रता और समान विचारधारा वाली आत्माओं से मिलने का जश्न मनाने के लिए एक साथ आती हैं। उन्होंने कहा` कि अपने दसवें संस्करण में, हम सकारात्मक हैं कि आईबीडब्ल्यू अपने अब तक के सबसे महाकाव्य संस्करण का गवाह बनेगा, जिसमें चाय-पकौड़े की सवारी, राइड-आउट, संगीत समारोह, फूड ट्रेल्स आदि सहित कार्यक्रमों की एक विशाल श्रृंखला शामिल होगी।

बासमती चावल के निर्यात पर लगाई रोक वापस लेने की मांग

साल 2030 तक ऑनलाइन खरीदारों की संख्या होगी 81 करोड़

नई दिल्ली ।

डिजिटल युग के इस दौर में भारत में अकेले कर्ज का बाजार वर्ष 2022 में 280 अरब डालर का था। आकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 तक ये 351 अरब डॉलर के पार जाने की संभावना है। आने वाले साल 2030 तक तकरीबन 81 करोड़ लोग ऑनलाइन खरीदारी में दिलचस्पी दिखा रहे होंगे। इसका सीधा असर डिजिटल भुगतान और डिजिटल कर्ज बाजार पर देखने को मिलेगा। वहीं इसको लेकर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है` कि आज के दौर में गूगल प्ले और एप्पल एप स्टोर दोनों पर कई एप्लिकेशन हैं जिनका उपयोग भारतीयों द्वारा किया जाता है। हम सभी एप्लिकेशन को ट्रैक कर रहे हैं खास कर जो लोन एप्लिकेशन है। हमने गूगल और एप्पल दोनों को एक सलाह जारी की है कि वे असुरक्षित एप्लिकेशन या अवैध एप्लिकेशन को ऑनबोर्ड न करें। सभी डिजिटल नागरिकों के लिए इंटरनेट को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखना हमारी सरकार का उद्देश्य और मिशन है। हमारा इरादा है यह सुनिश्चित करने के लिए आरबीआई के साथ जल्द से जल्द बैठक करें कि श्वेतसूची हो, जिसका अर्थ है कि इन दो दुकानों पर केवल स्वीकृत ऋण आवेदनों की अनुमति देने का एक मानदंड बनाया जाए।

जूम एयरलाइंस शुरू करेगी वाणिज्यिक सेवाएं

नई दिल्ली । जूम एयरलाइंस को भारत में वाणिज्यिक यात्री संचालन शुरू करने के लिए आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। गुरुग्राम स्थित एयरलाइन को डीजीसीए से अपना एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) मिल गया है। ऐसे में अब घरेलू यात्रियों को एक और एयरलाइन की सुविधा मिल मिलेगी। एओसी किसी भी एयरलाइन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रमाणन है, क्योंकि यह दर्शाता है कि एक ऑपरेटर ने नागरिक उड्डयन अधिकारियों की ओर से निर्धारित कड़े सुरक्षा, परिचालन और नियामक मानकों को पूरा किया है। इस प्रमाणन के साथ जूम एयरलाइंस को अब आधिकारिक तौर पर भारत में वाणिज्यिक यात्री संचालन शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। जूम एयरलाइंस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस उपलब्धि के बारे में कहा कि एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट प्राप्त करना सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंचने में हमारी मदद करने के लिए अपनी समर्पित टीम के आभारी हैं। हमारे एओसी के साथ हम यात्रियों को एक शीर्ष यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं जो सुविधा, दक्षता और आराम को जोड़ती है।

टाटा स्टील को ब्रिटेन से मिलेगी 50 करोड़ पाउंड की वित्तीय सहायता

मुंबई ।

ब्रिटेन की सरकार ने टाटा स्टील को दक्षिण वेल्स में पोर्ट टालबोट संयंत्र को सुरक्षित करने के लिए 50 करोड़ पाउंड की वित्तीय सहायता देने पर सहमति जताई है। 1.25 अरब पाउंड के साझे निवेश प्रस्ताव को ब्रिटिश सरकार के अब तक के सबसे बड़े प्रोत्साहन पैकेज में गिना जा रहा है। इससे वेल्स की इकाई को हरित इकाई में बदलने का रास्ता साफ होगा और कोयला आधारित ब्लास्ट फर्नेस की जगह अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक ब्लास्ट फर्नेस लगाया जाएगा। इस कदम से समूचे ब्रिटेन में करीब 1.5 फीसदी कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। 1.25 अरब पाउंड के साझा निवेश प्रस्ताव में 50 करोड़ पाउंड (करीब 62.1 करोड़ डॉलर) का सरकारी अनुदान भी शामिल है। इस फैसले को इस्पात उद्योग के लिए भी अहम माना जा रहा है। इससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और हजारों नौकरियां बचाने में मदद मिलेगी। समझौते के तहत टाटा स्टील साउथ वेल्स के पोर्ट टालबोट में हरित इस्पात बनाने के लिए एक नई इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस और उससे जुड़ी सुविधाएं तैयार करने के वास्ते सरकारी अनुदान सहित 1.25 अरब पाउंड का निवेश कर सकती है। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि ब्रिटेन सरकार के साथ समझौता इस्पात उद्योग के भविष्य और वास्तव में ब्रिटेन में औद्योगिक मूल्य श्रृंखला के लिए एक निर्णायक क्षण है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित निवेश से रोजगार सुरक्षित करने में मदद मिलेगी और यह साउथ वेल्स में हरित प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक ढांचा तैयार करने का मौका देगा। हम इन प्रस्तावों पर अपने हितधारकों के साथ जिम्मेदार तरीके से काम करने के लिए तत्पर हैं।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल बढ़ाकर 10,000 प्रति टन किया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने डोमेस्टिक प्रोड्यूस क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को 6,700 पर टन से बढ़ाकर 10,000 प्रति टन कर दिया है। हालांकि डीजल एक्सपोर्ट पर शुल्क पहले के 6 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 5.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर शुल्क पहले के 4 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। नई दरें 16 सितंबर से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले दो सितंबर को विंडफॉल टैक्स में बदलाव किया गया था।

सरकार ने दो सितंबर को विंडफॉल टैक्स में कटौती की थी। केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 7,100 रुपए प्रति टन से मामूली रूप से घटाकर 6,700 रुपए प्रति टन कर दिया था, जबकि इससे पहले 1 जुलाई 2022 को सरकार ने एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाया था। 1 जुलाई 2022 को सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपए प्रति लीटर और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। घरेलू कच्चे तेल की बिक्री पर 23,250 रुपए प्रति टन का विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। तब से केंद्र इंटरनेशनल कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े में लेवी की समीक्षा कर रहा है। ग्लोबल स्तर पर कच्चे तेल के दाम में पिछले कुछ समय से बढ़ोतरी जारी है। कई देशों ने कच्चे तेल के प्रोडक्शन में भी कटौती की है। डब्लूटीआई कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल पर जा पहुंचा है। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 94 डॉलर प्रति बैरल पर है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने सबसे पहले एक जुलाई 2022 को कच्चे तेल की बिक्री पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। भारत के अलावा यूके, इटली और जर्मनी समेत कई देशों ने पहले ही ऊर्जा कंपनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर विंडफॉल टैक्स लगाया था।

चीन में आर्थिक आंकड़ों से मिले मंदी कम होने के संकेत, पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्था

बीजिंग ।

वैश्विक महामारी के बाद संकटग्रस्त चीनी अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत हैं। कारखानों ने गति पकड़ ली है और अगस्त में खुदरा बिक्री में भी तेजी आई है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट से यह संकेत मिले हैं। हालांकि, रेस्तरां तथा दुकानों में व्यस्त गतिविधि के बावजूद आंकड़ों में सभी महत्वपूर्ण संपत्ति क्षेत्र में लगातार कमजोरी दिखी। रियल एस्टेट डेवलपर्स सुस्त मांग के कारण कर्ज चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

रियल एस्टेट निवेश में अगस्त में सालाना आधार 8.8 प्रतिशत की गिरावट आई। साल की शुरुआत से ही गिरावट लगातार बढ़ती जा रही है। बैंकों पर बोझ कम करने के लिए पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना या केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अधिकतर उधारदाताओं के लिए आरक्षित आवश्यकता में शुक्रवार तक 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की जाएगी। केंद्रीय बैंक के अनुसार, '' आर्थिक सुधार की नींव को मजबूत करने और उचित तथा पर्याप्त तरलता बनाए रखने के लिए'' इससे उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़ी, ऑटो बिक्री 5.1 प्रतिशत बढ़ी। जुलाई में खुदरा बिक्री में मामूली 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। औद्योगिक उत्पादन 4.5 प्रतिशत वार्षिक गति से बढ़ा, अप्रैल के बाद सबसे औद्योगिक उत्पादन सबसे तेजी से बढ़ा है। जुलाई में 3.7 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। चीन की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून तिमाही में पिछली तिमाही की तुलना में 0.8 प्रतिशत बढ़ी।

साल 2030 तक ऑनलाइन खरीदारों की संख्या होगी 81 करोड़

नई दिल्ली ।

डिजिटल युग के इस दौर में भारत में अकेले कर्ज का बाजार वर्ष 2022 में 280 अरब डालर का था। आकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 तक ये 351 अरब डॉलर के पार जाने की संभावना है। आने वाले साल 2030 तक तकरीबन 81 करोड़ लोग ऑनलाइन खरीदारी में दिलचस्पी दिखा रहे होंगे। इसका सीधा असर डिजिटल भुगतान और डिजिटल कर्ज बाजार पर देखने को मिलेगा। वहीं इसको लेकर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है` कि आज के दौर में गूगल प्ले और एप्पल एप स्टोर दोनों पर कई एप्लिकेशन हैं जिनका उपयोग भारतीयों द्वारा किया जाता है। हम सभी एप्लिकेशन को ट्रैक कर रहे हैं खास कर जो लोन एप्लिकेशन है। हमने गूगल और एप्पल दोनों को एक सलाह जारी की है कि वे असुरक्षित एप्लिकेशन या अवैध एप्लिकेशन को ऑनबोर्ड न करें। सभी डिजिटल नागरिकों के लिए इंटरनेट को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखना हमारी सरकार का उद्देश्य और मिशन है। हमारा इरादा है यह सुनिश्चित करने के लिए आरबीआई के साथ जल्द से जल्द बैठक करें कि श्वेतसूची हो, जिसका अर्थ है कि इन दो दुकानों पर केवल स्वीकृत ऋण आवेदनों की अनुमति देने का एक मानदंड बनाया जाए।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज 9वीं बार एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होगी भारत और श्रीलंका की टीमें

-बारिश डाल सकती हैं फाइनल मैंच में खलल

कोलंबो (एजेंसी)। एशिया कप 2023 का फाइनल अब कुछ घंटे दूर है। रविवार को एशिया कप के इतिहास की दो सबसे सफल टीमें एक बार फिर आमने सामने होंगी। वहीं इन दोनों टीमों के बीच 8 बार एशिया कप का फाइनल खेला गया है। दोनों ही टीमें अच्छी लय में नजर आ रही हैं। दोनों के बीच एक हाई वोल्टेज मुकाबला देखने को मिल सकता है।

श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महेश थीक्षाना हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले एशिया कप फाइनल मुकाबले से बाहर हो गए हैं, जबकि मेहमान टीम ने ऑफ स्पिन राउंडर वाशिंगटन सुंदर को अक्षर पटेल के कवर के रूप में बुलावा भेजा है। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 मैच के दौरान थीक्षाना की दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था और वह अपने ओवरों का कोटा पूरा करने के बाद लड़खड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे। श्रीलंकाई चयनकर्ताओं ने थीक्षाना के स्थान पर सहान अराचिगे को टीम में शामिल किया है।

वहीं, दूसरी ओर बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अक्षर की परेशानी के कारण सुंदर को एशिया कप खिताबी मुकाबले से पहले बुला लिया गया है। बांग्लादेश के खिलाफ 42 रन बनाने वाले अक्षर की बाईं कलाई, कोहनी पर चोटें आईं और जांघ की समस्या के लिए उन्हें इलाज करना पड़ा, हालांकि उनके प्रयास आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारतीय जीत में तब्दील नहीं हो सके।

सुंदर एशियाई खेलों के लिए भारत की टीम का हिस्सा हैं। और वह इस समय बेंगलुरु में हैं। एशिया कप फाइनल के बाद, उनके चीन के हांगझू में प्रतियोगिता आयोजित होने से पहले 23 सितंबर तक चलने वाले एशियाई खेलों के शिविर में फिर से शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने आखिरी बार इस साल जनवरी में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेला था, लेकिन 15 सदस्यीय विश्व कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे।वहीं इस रोमाचंक मैंच में बारिश खलल डाल सकती हैं। मौसम विभाग की माने तब रविवार को बारिश होने की उम्मीद हैं।

फाइनल के लिए दोनों टीमों का स्क्वाड

भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, ईशान किशन, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, पृसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर।

श्रीलंका टीम

दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलंका, डिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, सदीरा समाविक्रमा, धनंजय डे सिल्वा, दुशन हेमंथा, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, बिनुरा फर्नानंडो, डिनुथ वेलालागे, कासुन रजिथा, महीश तीक्षणा, मथीशा पथिराना, प्रमोद मदुशन।

अभिमन्यु ने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में उलटफेर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। युनाइटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू)विश्व चैंपियनशिप के पहले दिन सभी चार भारतीय फ्री-स्टाइल पहलवानों ने शनिवार को यहां अपने शुरुआती दौर के मुकाबलों में जीत हासिल की, जिसमें 70 किग्रा पहलवान अभिमन्यु ने रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज यूक्रेन के इहोर न्यकीफोरुक को हराया।

जून में अंडर23 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता और विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर रहे अभिमन्यु ने यूक्रेन के खिलाड़ी को 19-9 से हराया। अभिमन्यु ने शुरुआती तीन मिनट के खेल में 5-0 की बढ़त बना ली थी। रेफरी को दूसरे पीरियड में 2.41वें मिनट पर खेल रोकना पड़ा। भारतीय खिलाड़ी के सामने प्री-क्वार्टर फाइनल में मोलदोवा के निकोलाई ग्राहमेज की चुनौती होगी।

आकाश दहिया ने मोलदोवा के प्रतिद्वंद्वी लेओमिड कोलेस्निक को 10-5 से हराकर विजयी शुरुआत की। दुनिया के 21वें नंबर के पहलवान का मुकाबला अब उज्बेकिस्तान के जाहोंगिरमिर्ज़ा तुरोबोव से होगा, जिन्हें यहां छठी वरीयता दी गई है और 2021 एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता हैं। शुरुआती दौर के अन्य मुकाबलों में, 86 किग्रा के पहलवान संदीप मान ने तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत के साथ उत्तरी मैसेडोनिया के डेजान मित्रोव को हराया। वह क्वालीफिकेशन के दूसरेराउंड में चीन के लिन जुशेन से भिड़ेंगे।

भारत के 125 किग्रा पहलवान सुमित ने भी दुनिया में 30वें स्थान पर मौजूद जापान के ताकी यामामोटो पर आसान जीत दर्ज की। उन्होंने 3-1 से जीत दर्ज करके प्री-क्वार्टर फाइनल में पोलैंड के रॉबर्ट बारान से मुकाबला तय किया। सातवीं वरीयता प्राप्त बारान 2016 रियो ओलंपिक खेलों में क्वार्टर फाइनलिस्ट होने के अलावा यूरोपीय चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं।

आज फाइनल में कोहली के लिए काल साबित हो सकता हैं ये श्रीलंकाई गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप का चैंपियन 17 सितंबर को सामने आएगा। दुनियाभर के दर्शक भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल में हाई वोल्टेज मुकाबले की आस लगाए थे। लेकिन श्रीलंका ने अपने घर में डंका बजाया और पाकिस्तान को धूल चटाकर इतिहास फिर से दोहरा दिया। अब एशिया कप फाइनल में फिर श्रीलंका और भारत की पुरानी राइवलरी 12 साल बाद देखने को मिलेगी। सुपर-4 में लंका ने गेंदबाजी से शानदार तरीके से टक्कर दी, विराट कोहली जैसे दिग्गज को इस टीम ने आसानी से चलता किया। अब फाइनल में भी विराट के लिए अशुभ संकेत दिखाई दे रहे हैं।

श्रीलंका और भारत के बीच कोलंबो में सुपर-4 का मैच हुआ। जहां स्पिनर्स ने 5 ओवर्स पहले ही पूरी टीम को ढेर कर दिया था। इसमें श्रीलंका के चमकते सितारे दुनिथ वेल्लालागे ने टीम इंडिया को चेतावनी दे दी थी। दुनिथ वेल्लालागे ने पहले विराट, रोहित और गिल का विकेट लेकर टॉप ऑर्डर को ध्वस्त किया। इसके बाद राहुल और पंड्या जैसे स्टार्स को पवेलियन भेज दिया था। अब फाइनल में कोहली के सामने वेल्लालागे सबसे खूंखार प्लेयर साबित होते नजर आ रहे हैं। ये हम नहीं बल्कि विराट के लेफ्ट आर्म स्पिनर के खिलाफ आंकड़े कह रहे हैं। दुनिथ महज 20 साल के हैं और इस उम्र में ही उन्होंने विराट-रोहित को एक साथ पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। कोहली के लिए लेफ्ट आर्म स्पिनर अभी तक काल साबित हुए हैं। उन्होंने 11 पारियों में से 9 बार लेफ्ट आर्म स्पिनर को अपना विकेट दिया है।

वर्ल्ड कप से पहले ही ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के स्टार खिलाड़ी हुए चोटिल

-ऑस्ट्रेलिया के सलामी बैटर ट्रेविस हेड और न्यूजीलैंड के टिम साउदी की हड्डी टूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप में अब 20 दिन ही बचे हैं, ऐसे में दो बड़ी टीमों के खिलाडियों की हड्डी टूटने से मैच पर असर पड़ सकता है। बता दें कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच 5 अक्टूबर को पिछली बार की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा लेकिन, इस मैच से पहले 13 हजार किलोमीटर के फासले पर क्रिकेट खेल रही ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम को एक जैसा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों के ही स्टार खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं और इन दोनों के विश्व कप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने पर संशय है और ये दोनों ही वर्ल्ड कप के प्रोविजनल स्क्वॉड में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बैटर ट्रेविस हेड और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी दोनों की ही हड्डी टूट गई है। हेड के बाएं हाथ की हड्डी टूटी है तो टिम साउदी के दाएं हाथ के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है और इन दोनों के वर्ल्ड कप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने की उम्मीद कम है। इस वक्त न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के दौरे पर है और दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही, लॉर्ड्स में हुआ जिसका चौथा मैच इंग्लैंड ने जीता और सीरीज अपने नाम की।

इसी मुकाबले में ही एक कैच पकड़ने के दौरान टिम साउदी का दायें हाथ का अंगूठा टूट गया वो अब न्यूजीलैंड लौट जाएंगे। टिम साउदी को ये चोट इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे में जो रूट का कैच पकड़ने के दौरान लगी थी। वो स्लिप में फील्डिंग कर रहे थे और बेन लिस्टर के 14वें ओवर की आखिरी गेंद में रूट का कैच पकड़ने के दौरान गेंद उनके अंगूठे पर जा लगी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद वो न तो गेंदबाजी और न ही बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। अब देखना होगा कि साउदी विश्व कप के लिए समय पर फिट हो पाते हैं या नहीं। साउदी की तरह ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा ले रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रेविस हेड की भी हड्डी टूट गई और उनके भी विश्व कप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने पर संदेह है।

एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता है ये हॉकी फॉरवर्ड

बेंगलुरू । भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड अभिषेक का लक्ष्य एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना है। अभिषेक इन खेलों को लेकर खासे उत्साहित हैं। वह पहली बार किसी इतने बड़े टूर्नामेंट में खेलेंगे। पिछले कुछ समय में 48 मैचों में 18 गोल करके उन्होंने टीम में जगह बनायी है। वह टीम में अपने चयन से बेहद उत्साहित हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं। साथ ही कहा कि एशियाई खेल बड़ा टूर्नामेंट है और हम सभी उसके लिए अच्छी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आत्मविश्वास के साथ खेलेंगे क्योंकि हमारा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टूर्नामेंट से वापसी रहेगा। टीम की तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा सामना इस टूर्नामेंट में कुछ अच्छी टीमों से शी होगा। हम काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिससे मैदान पर उतरें तो मानसिक और शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट हों। एशियाई खेलों में भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उजबेकिस्तान के साथ रखा गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ शून्य पर आउट हुए रोहित, करियर का 15वां डक

मुंबई । एशिया कप 2023 के सुपर 4 के आखिरी मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ खाता नहीं खोल सके। इससे पहले पिछले 3 मुकाबलों में नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। यह रोहित के करियर का 15वां डक था। वह भारत के लिए ओवरऑल सभी फार्मेट में 29 बार 0 पर आऊट हो चुके हैं।

वनडे मैंच में सबसे ज्यादा डक खाने वाले खिलाड़ी : श्रीलंका के सनथ जयसूर्या 34 बार शून्य पर आउट हुए है। पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी -30,

पाकिस्तान के वसीम अकरम-28, श्रीलंका के माहेला जयवर्द्धने-28, श्रीलंका के ही लसिथ मलिंग (26) बार और भारत के कप्तान रोहित शर्मा अब तक 15 डक लगा चुके हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा डक वाले खिलाड़ी में सचिन तेंदुलकर 34 बार शून्य पर आउट हुए, विराट कोहली-33, वीरेंद्र सहवाग-31, रोहित शर्मा-29, सौरव गांगुली-29, युवराज सिंह-26, सुरेश रैना-25 बार शून्य पर आउट हुए।

प्रत्येक देश में रोहित के डक के आकड़े हैं, श्रीलंका के खिलाफ 7बार, ऑस्ट्रेलिया-5, साऊथ अफ्रीका-3, इंग्लैंड-2 विंडीज-2,बांग्लादेश-2 ,न्यूजीलैंड-1, यूएई-1, आयरलैंड-1

एशिया कप में सबसे ज्याडा डक (वनडे) रुबेल हुसैन (बांग्लादेश)-3, सलमान बट (पाकिस्तान)-3, महेला जयवर्धने (श्रीलंका)-3

अमीनुल इस्लाम (बांग्लादेश)-3, रोहित शर्मा (भारत)-3 के नाम है।

भारतीय खिलाड़ी सिर्फ अपने आंकड़ों के लिए ही खेलते हैं : साइमन डूल

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल (स्द्वद्वश्ठ्ठ ष्ठश्वह्वद्यद्य) ने पुरुष वनडे से पहले भारतीय टीम (ञ्जद्गड्डद्व द्बठ्ठस्रद्बड्ड) पर तीखी टिप्पणी की। क्रिकेट विश्व कप से पहले कीवी गेंदबाज ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज आंकड़ों पर आधारित क्रिकेट खेलने में अधिक रुचि रखते हैं और अक्सर अपने स्वयं के आंकड़ों के बारे में चिंतित रहते हैं। भारतीय टीम ने 1983 और 2011 का वनडे विश्व कप जीता है। 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप इस बार भारत में 8 अक्टूबर से होना है। बहरहाल, डूल ने कहा कि निडर क्रिकेट उनका मुद्दा है। वे पर्याप्त निडर क्रिकेट नहीं खेलते हैं। वे आंकड़ों पर आधारित क्रिकेट खेलते हैं और वे अक्सर अपने आंकड़ों को लेकर चिंतित रहते हैं। मेरे लिए यही एक ऐसा क्षेत्र है जिसके बारे में मैं उनकी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित हूं।

डूल ने यह भी कहा कि कठिन परिस्थितियों में निडर होकर खेलने में भारत की असमर्थता ने उन्हें हाल के आईसीसी टूर्नामेंटों में निराश किया है। उनके पास सारी प्रतिभा है और अगर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं भी हैं तो उनमें से कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। लेकिन यह टूर्नामेंट के सही समय पर निडर क्रिकेट खेलने के बारे में है और मुझे लगता है कि पिछले कुछ विश्व कप में इसी बात ने उन्हें निराश किया है। डूल ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी जोखिम नहीं लेते क्योंकि वे इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि क्या कहा जाएगा, क्या छपेगा या फिर उनसे टीम में उनके स्थान के लिए क्या पूछा जाएगा।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन डूल के विचारों से सहमत थे। उन्होंने कहा कि दूसरी चीज़ जिस पर उन्हें काबू पाना होगा वह है दबाव। अब आप तर्क देंगे कि एक भारतीय क्रिकेटर हर वक्त दबाव में रहता तो बता दें कि भारतीय टीम ने 2011 (2013 चैंपियंस ट्रॉफी) के बाद से शायद ही कोई आईसीसी स्पर्धा जीती हो। उन्होंने कहा- हम विश्व टी20 में एडिलेड में थे, जहां उन्होंने औसत से कम स्कोर बनाया। इंग्लैंड ने यह मुकाबला दस विकेट से जीता। 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में भी अच्छी पिच पर उन्होंने जोखिम नहीं लिया। जब दबाव होता है तब भी आपको निडर क्रिकेट खेलने की जरूरत होती है।

नासिर ने कहा कि भारत के लिए उन्हें जो एकमात्र चिंता दिखती है वह यह है कि उनके बल्लेबाज अपना हाथ नहीं घुमाते हैं और उनके गेंदबाज बल्ले से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं। यदि आप उनके बल्लेबाजों को देखें, तो संभवतः उनमें जो कमी है, वह यह है कि उनके बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं करते हैं और उनके गेंदबाज बल्लेबाजी नहीं करते हैं। इसलिए उनकी टीम के लिए सभी ऑलराउंडरों वाली इंग्लैंड या सभी ऑलराउंडरों वाली ऑस्ट्रेलिया के साथ रहना एक अलग स्थिति है।

इंग्लैंड को 2019 का क्रिकेट विश्व कप दिलाने वाले कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में खेलने से भारत को अन्य टीमों पर भारी बढ़त मिलेगी, लेकिन उन्हें निडर होकर खेलना होगा और बाहरी शोर से दूर रहना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि भारत ने पिछली गर्मियों में यहां का दौरा किया था। राहुल द्रविड़ ने कोच के रूप में अपनी शुरुआती प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हम निडर क्रिकेट खेलना चाहते हैं। उन्हें एडिलेड में यह सही नहीं लगा, लेकिन घरेलू परिस्थितियां आपको एक निश्चित स्तर का आराम और आदत देती हैं।

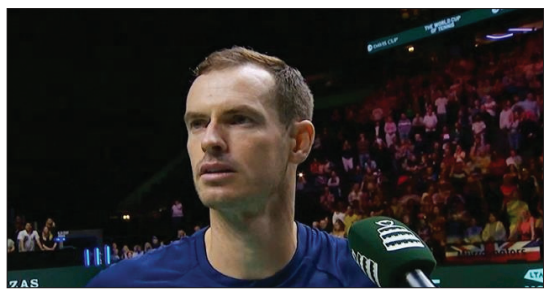

भावुक एंडी मर ने रोते हुए दादी को समर्पित की जीत, नहीं जा पाए थे अंतिम संस्कार में

मैनचेस्टर - 3 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता एंडी मरे ने डेविस कप फाइनल्स के ग्रुप चरण में ब्रिटेन को स्विट्जरलैंड पर 2-1 की जीत दिलाने के बाद रोते हुए बताया कि वह यहां खेलने के लिए अपनी दादी के अंतिम संस्कार में भी नहीं जा सके। मरे ने लिएंड्रो रिडी को 6-7 (7), 6-4, 6-4 से हराकर ब्रिटेन को जीत से शुरुआत कराई। मैच के बाद मरे ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए काफी मुश्किल है। मेरी दादी का आज अंतिम संस्कार है। मैं वहां नहीं जा सका लेकिन दादी यह जीत तुम्हारे लिए। मरे फिर वापस अपनी बैंच पर लौटकर तौलिए में मुंह छिपाकर रोने लगे। उन्होंने बाद में बताया कि जब उन्होंने अपने पिता से बात की कि उन्हें खेलना चाहिए या नहीं तो उन्होंने कहा कि वह (दादी) तुम्हें खेलते हुए देखना चाहती थी और सुनिश्चित करना कि तुम इस मैच में जीत जाओ। मैंने ऐसा ही किया। स्टान वावरिंका ने कैमरोन नौरी को हराकर मुकाबला बराबर कराया। पर डान इवांस और नील स्कुपस्की की जोड़ी ने वावरिंका और डॉमिनिक स्ट्राइकर को हराकर ग्रुप बी में ब्रिटेन की जीत सुनिश्चित की। ब्रिटेन ने आस्ट्रेलिया पर 2-1 की जीत से शुरुआत की थी जिससे टीम फाइनल 8 में पहुंच गई है। नोवाक जोकोविच ने ग्रुप सी में स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच पर 6-3, 6-4 की जीत से सर्बिया का अंतिम-8 में स्थान सुनिश्चित किया। सर्बिया ने स्पेन को 3-0 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को धूनकर क्लासेन ने महज 57 गेंदों पर लगाया शतक

लंदन (एजेंसी)। द.अफ्रीका ऑलराऊंडर हेनरिक क्लासेन ने सेंचुरियन के मैदान पर अपने दमदार बल्लेबाजी का सबूत देकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को जमकर पीटा और अपनी टीम का स्कोर 416 तक ले गए। क्लासेन ने महज 57 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। ऐसा कर वह दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले पांचवें स्थान पर भी काबिज हो गए। क्लासेन इसके पहले 54 गेंदों पर भी शतक लगा चुके हैं। क्लासेन ने अपनी पारी में 83 गेंदों में 13 चौके और 13 छक्कों की मदद से 174 रन बनाए। उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर आखिरी 100 गेंदों में 200 से ज्यादा रन पार्टनरशिप के लिए जोड़े।

दक्षिण अफ्रीका के लिए तेज वनडे शतक

एबी डीविलियर्स ने 31 गेंद पर जड़ा सैकड़ा, मार्क बाऊचर ने 44 गेंद पर, एबी डीविलियर्स ने 52 गेंद, हेनरिक क्लासेन ने 54 गेंद, एबी डीविलियर्स 57 गेंद, हेनरिक क्लासेन ने 57* गेंद, डीविलियर्स ने 58 गेंद, एबी डीविलियर्स ने 66 गेंद, एबी डीविलियर्स ने 68 गेंद पर लगा दिया शतक।

दक्षिण अफ्रीका के लिए एक वनडे पारी में सर्वाधिक छक्के

16 छक्के एबी डिविलियर्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहान्सबर्ग में साल 2015, 13-हेनरिक क्लासेन बनाम ऑस्ट्रेलिया, सेंचुरियन, साल 2023, 11-एबी डिविलियर्स बनाम भारत, मुंबई वानखेड़े, साल 2015, 11-क्विंटन डी कॉक बनाम ऑस्ट्रेलिया, सेंचुरियन साल 2016, 10- मार्क बाउचर बनाम जिम्बाबे पोटचेफस्ट्रूम साल 2006 हैं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम लगातार बेहतर होती जा रही : एआईएफएफ

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम ने हाल के दिनों में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। जिससे वह दिन प्रति-दिन बेहतर होती जा रही है। इससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) भी खुश है। एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि हमारी महिला टीम के पास अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का काफी अच्छा अवसर है। टीम कुछ और प्रयासों करे तो फीफा विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे ने एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद से ही उन्होंने फुटबॉल के स्तर को सुधारने के काफी प्रयास किये हैं। चौबे ने कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधायें मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉलरों को मिलती है और मैं मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।''उन्होंने कहा, ''फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिहाज से हमारी महिला फुटबॉल टीम पुरुष टीम की तुलना में आगे है। महिला टीम एशिया में 11वीं रैंकिंग पर कायम है। अगर हम थोड़ा बेहतर करें तो हम फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं।''

डायमंड लीग फाइनल्स में खिताब का बचाव करने उतरेंगे नीरज चोपड़ा

यूजीन (अमेरिका) (एजेंसी)। विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक का भारतीय सुपरस्टार नीरज चोपड़ा अपने जाने पहचाने प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को यहां प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेगा। 25 वर्षीय एथलीट चोपड़ा पिछले साल ज्यूरिख में डायमंड लीग चैंपियन बने थे। उन्होंने इस सत्र में अभी तक अपना दबदबा बनाकर रखा है और वह डायमंड लीग फाइनल्स में भी इसे जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। अगर चोपड़ा फिर से ट्रॉफी जीतने में सफल रहते हैं तो उन्हें 30 हजार डॉलर की इनामी राशि मिलेगी। वह डायमंड लीग ट्रॉफी का बचाव करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

चेक गणराज्य के विटेज़स्लाव वेस्ली 2012 और 2013 में जबकि उनके हमवतन जैकब वाडलेज्च ने 2016 और 2017 में यह कारनामा किया था। वाडलेज्च अभी चोपड़ा के निकटतम प्रतिद्वंदी हैं। चोपड़ा इस साल बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने से पहले डायमंड लीग की दोहा और लुसाने में आयोजित की गई प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज की थी।

चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर तक भाला फेंकना है। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.77 मीटर है जो इस साल विश्व सूची में दूसरे स्थान पर है। चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल्स में अपने खिताब का बचाव करने के अलावा पहली बार 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंकने की भी कोशिश करेंगे। लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर और 3000 मीटर स्टीपलचेस के खिलाड़ी अविनाश साबले ने भी इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन आगामी एशियाई खेलों पर ध्यान देने के लिए उन्होंने इससे हटने का फैसला किया।

अमनदीप द्राल संयुक्त 14वें और दीक्षा संयुक्त 27वें स्थान पर

होल्जहौसर्न (स्विट्जरलैंड)। भारतीय महिला गोल्फर अमनदीप द्राल स्विस लेडीज ओपन के शुरुआती दौर में यहां दो अंडर 69 के कार्ड के बूते संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर चल रही हैं जबकि दीक्षा डागर एक अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 27वें पायदान पर हैं। अमनदीप ने 4 बर्डी और 2 बोगी लगाई जबकि दीक्षा एक बोगी के मुकाबले दो बर्डी लगाने में सफल रही। प्रतियोगिता में भाग ले रही एक अन्य भारतीय वाणी कपूर ने एक ओवर 72 का कार्ड खेला और वह संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर चल रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थों को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी आँखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी आँखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। कॉंग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्जन बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

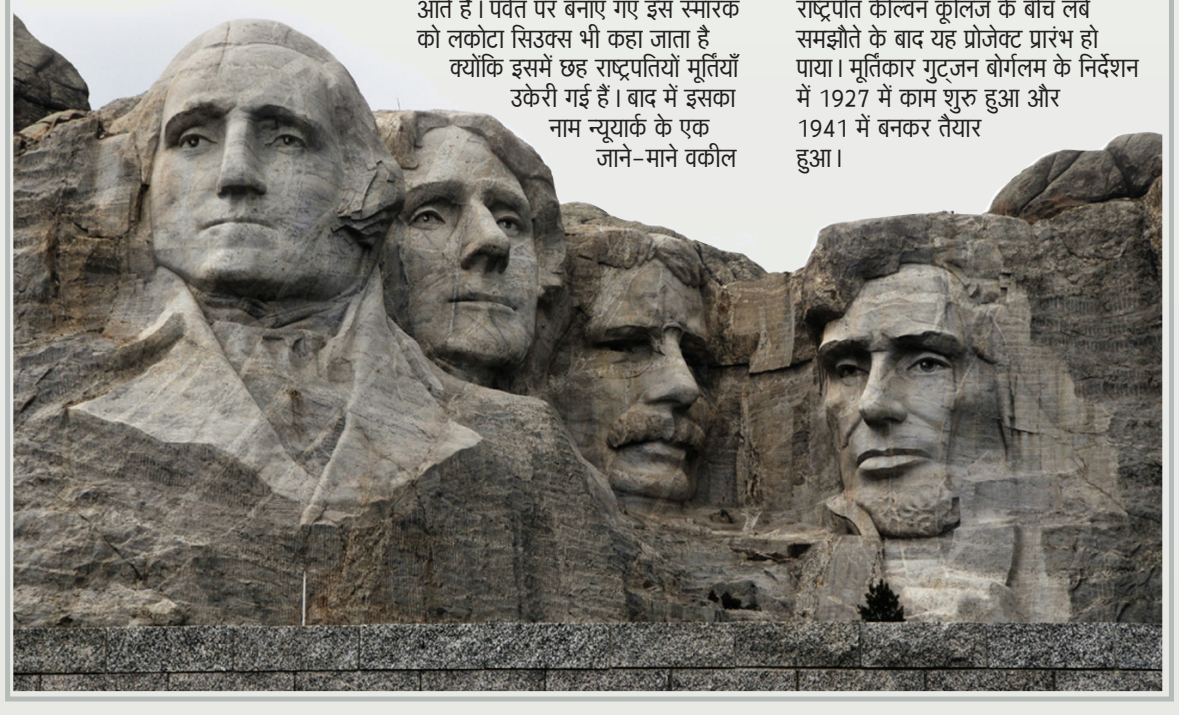

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं : सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल है जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए। अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे। प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

अमेरिका में पूर्व पाकिस्तानी राजदूत ने अपने मुल्क पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन । अमेरिका में पूर्व पाकिस्तानी राजदूत हुसैन हक्कानी ने बदलती दुनिया में व्यावहारिकता के महत्व पर जोर देकर पाकिस्तान से वैश्विक मामलों में अपने दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरकार और सेना के भीतर के तत्वों पर लंबे समय से भारत और अफगानिस्तान में जिहादी समूहों का समर्थन करने का आरोप लगाया गया है। इस्लामाबाद इस आरोप का जोरदार खंडन करता है। हक्कानी ने पिछले तीन दशकों में आंतरिक सत्ता संघर्ष और पड़ोस में जिहाद में पाकिस्तान की व्यस्तता पर प्रकाश डाला। उन्होंने तर्क दिया कि इस फोकस ने 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से विश्व स्तर पर हुए गहन परिवर्तनों को समझने की पाकिस्तान की क्षमता में बाधा उत्पन्न की है। उन्होंने लिखा कि 1950 से 1980 के दशक तक अमेरिकी सहयोगी रहने के कारण पाकिस्तान को उस एकध्रुवीय क्षण से लाभ होना चाहिए था जब अमेरिका विश्व व्यवस्था पर हावी था। इसके बजाय, भारत के बारे में नकारात्मकता में अमेरिका-विरोध जोड़ने का मूर्खतापूर्ण विकल्प चुना गया, जो आजादी के बाद से राष्ट्रीय डीएनए का हिस्सा रहा है। हक्कानी ने बताया कि अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता और चीन और भारत के बीच 1962 के सीमा युद्ध के बावजूद, इन देशों ने राजनीतिक और सुरक्षा मामलों को आर्थिक हितों से अलग रखकर व्यापार जारी रखा है।

शिक्षक की पिटाई से छात्रा की खोपड़ी फटी

बीजिंग। चीन में एक शिक्षक द्वारा मेटल की स्केल से 9 साल की छात्रा की पिटाई पर लोगों में रोष व्याप्त है। शिक्षक ने बच्ची के सिर पर वॉर किया, जिससे उसकी खोपड़ी में गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल छात्रा को तुरंत आपातकाल सर्जरी के लिए ले जाना पड़ा ।आरोपी की पहचान सोंग माउमिंग के रूप में हुई है। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार चीन के हुनान प्रांत के बोकाई मीक्सीहु प्राइमरी स्कूल में 6 सितंबर की शाम हुई घटना के बाद टीचर खुद लड़की को स्कूल डॉक्टर के पास ले गया, उसने उसकी चोट को मामूली घाव बताया और कहा कि केवल टांके लगाने की जरूरत है। इसके बाद स्कूल ने लड़की को पास के अस्पताल में भेजा, लेकिन वहां के डॉक्टरों ने तुरंत आपातकालीन उपचार नहीं दिया और कहा कि उन्हें परिवार की मंजूरी की जरूरत है। लड़की की मां ने कहा कि उनकी बेटी का इलाज कर रहे अस्पताल के डॉक्टर स्कूल की सलाह पर उसके सिर के घाव को टांके लगाने जा रहे थे। हालांकि ऐसा नहीं हुआ और बच्ची का बकायदा टेस्ट हुआ। जांच से पता चला कि लड़की की खोपड़ी टूट गई थी और हड्डी के टुकड़े उसके सिर में फंस गए थे और तत्काल सर्जरी की आवश्यकता थी। टुकड़ों को हटाने में लगभग पांच घंटे लग गए। लड़की की चाची ने बताया कि उसका दिमाग लगभग बाहर आ गया था जो घातक हो सकता था। लड़की के पिता ने कहा कि वह अभी भी गहन देखभाल में है। इस घटना के कारण चीन में व्यापक जनाक्रोश पैदा हो गया। गौरतलब है कि वर्ष 1986 से चीनी स्कूलों में बच्चों को मारने पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन इसके बाद भी शिक्षकों द्वारा छात्रों के साथ दुर्व्यवहार आम है। दो महीने पहले, पूर्वी चीन के एक प्राइवेट स्कूल के शिक्षक पर एक माता-पिता ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें थप्पड़ मारने का आरोप लगाया था। इस साल अप्रैल में, पूर्वी चीन में एक विद्यालय के शिक्षक को कथित तौर पर छात्रों को लात मारने, थप्पड़ मारने और सजा के रूप में कक्षा के दौरान छड़ी से पीटने के बाद निलंबित कर दिया गया था।

तालिबान ने अफगानिस्तान के एक एनजीओ के 18 कर्मियों को हिरासत में लिया

काबुल । तालिबान ने अफगानिस्तान में स्थित एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के एक विदेशी नागरिक समेत 18 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है। तालिबान ने दो साल पहले देश की सत्ता पर कब्जा करने के बाद से ही गैर सरकारी संगठनों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। उसने अफगान लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ाई करने पर रोक लगाने के साथ ही उन्हें गैर सरकारी संगठनों के लिए काम करने से रोकने समेत कई कड़ी पाबंदियां लागू की। इंटरनेशनल असिस्टेंस मिशन ने कहा कि तालिबान ने इस महीने मध्य घोर प्रांत में स्थित उसके कार्यालय से दो बार एनजीओ के 18 कर्मियों को हिरासत में ले लिया। उन्हें काबुल ले जाया गया है। इस घटनाक्रम पर अभी अफगान अधिकारियों की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

ब्रिटेन में मानव तस्करी के आरोप में भारतीय मूल के शख्स को हुई जेल

लंदन । भारतीय मूल के कई लोगों सहित 16 लोगों के एक समूह को अंतरराष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग और ब्रिटेन में लोगों की तस्करी में शामिल करने के लिए जेल की सजा सुनाई गई है। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) की एक जांच से पता चला है कि सरगना चरण सिंह के नेतृत्व में पश्चिम लंदन स्थित एक संगठित अपराध समूह के सदस्यों ने ब्रिटेन से लगभग 70 मिलियन पाउंड नकदी की तस्करी की और 2017 और 2019 के बीच दुबई की सैकड़ों यात्राएं की। एनसीए अधिकारियों का मानना है कि यह पैसा क्लास ए दवाओं की बिक्री और संगठित आव्रजन अपराध से प्राप्त लाभ था। क्रॉयडन क्राउन कोर्ट में तीन दिवसीय सजा की सुनवाई के बाद हाउंस्लो के 44 वर्षीय चरण सिंह को साढ़े 12 साल की जेल की सजा सुनाई गई। उनके दाहिने हाथ वलजीत सिंह को 11 साल की सजा हुई, जबकि भरोसेमंद लेफ्टिनेंट स्वंदर सिंह ढल को मनी लॉन्ड्रिंग के लिए 10 साल और लोगों की तस्करी के लिए अतिरिक्त पांच साल की सजा मिली। अपराध समूह के अन्य सदस्यों अमरजीत अलबदीस, जगिंदर कपूर, जैकदार कपूर, मनमन सिंह कपूर, पिंकी कपूर और जसबीर सिंह मल्होत्रा को नौ साल से 11 महीने के बीच की सजा दी गई। एनसीए ऑपरेशन के हिस्से के रूप में गिरफ्तार किए गए और आरोपित किए गए व्यक्तियों पर इस साल जनवरी से शुरू होने वाले दक्षिण लंदन के क्रॉयडन क्राउन कोर्ट में दो परीक्षणों में मुकदमा चलाया गया। एनसीए के वरिष्ठ जांच अधिकारी क्रिस हिल ने कहा कि एनसीए ने उनकी गतिविधियों की लंबी और जटिल जांच की और दो साल की अवधि में हम मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित आव्रजन अपराध में उनकी संलिप्तता का सबूत देने में सक्षम हुए। जांच में एनसीए अधिकारियों ने 2019 में टायर ले जाने वाली एक वैन के पीछे पांच बच्चों और एक गर्भवती महिला सहित 17 प्रवासियों को ब्रिटेन में तस्करी करने के लिए संगठित अपराध समूह (ओसीजी) के सदस्यों से जुड़ी एक साजिश का भी खुलासा किया। वैन को हुक ऑफ हॉलैंड में एक नौका तक पहुंचने से पहले एनसीए के साथ काम कर रहे डच पुलिस ने रोक लिया था। नवंबर 2019 में कई हफ्तों की निगरानी, संचार और उड़ान डेटा विश्लेषण के बाद अधिकारी गिरफ्तारियां करने के लिए आगे बढ़े। जांचकर्ता यह साबित करने में सफल हुए कि चरण सिंह, जो पहले संयुक्त अरब अमीरात का निवासी था, ने नेटवर्क के अन्य सदस्यों के लिए दुबई की उड़ानों के लिए भुगतान किया था, ताकि वे नकदी ले जा सकें। उन्होंने एक बही-खाता भी रखा, जिसमें दिखाया गया था कि कितना परिवहन किया गया था और कब। इससे पता चला कि अकेले 2017 में गिरोह के सदस्यों ने दुबई की कम से कम 58 यात्राएं की। इसके बाद और गिरफ्तारियां हुईं और जनवरी 2023 में शुरू होने वाले क्रॉयडन क्राउन कोर्ट में दो परीक्षणों में अंततः 18 लोगों पर आरोप लगाया गया और मुकदमा चलाया गया।

यूएफओ को लेकर नासा ने दिया बड़ा बयान, एलियंस मौजूद

वॉशिंगटन। नासा प्रमुख बिल नेल्सन ने कहा है कि उन्हें लगता है कि धरती के बाहरी वातावरण में एलियंस मौजूद हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने अज्ञात असामान्य घटना (यूएपी) या फिर यूएफओ पर अपनी रिपोर्ट के पहले निष्कर्ष जारी किए। इसके बाद नेल्सन ने यह बात कही है। साथ ही ऐलान किया है कि इस पूरे तथ्य की जांच के लिए यूएपी रिसर्च डायरेक्टर की नियुक्ति कर रहे हैं। इस नियुक्ति की सिफारिश एक स्वतंत्र रिसर्च टीम की तरफ से की गई थी। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएफओ की उच्च-गुणवत्ता से जुड़ी खास बातों की सीमित संख्या की वजह से उनकी प्रकृति के बारे में ठोस वैज्ञानिक निष्कर्ष निकालना असंभव है। यूएफओ की स्वतंत्र अध्ययन टीम, कई क्षेत्रों के 16 सामुदायिक विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएफओ अमेरिकी हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है और यह बात अपने आप साबित हो चुकी है। रिपोर्ट की मानें तब यूएफओ का रिसर्च एक असाधारण वैज्ञानिक मौका पेश करता है। यह मौका एक व्यवस्थित रिपोर्टिंग ढांचे के साथ-साथ एक सख्त, सबूत आधारित दृष्टिकोण का आधारत तैयार करता है। हालांकि इसमें सार्वजनिक भागीदारी के साथ-साथ क्राउडसोर्सिंग और रिपोर्टिंग पर नजर रखना बहुत जरूरी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन दुर्लभ घटनाओं की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) सबसे जरूरी उपकरण हैं।

नासा के अंतरिक्ष यात्री लोरल ओहारा, ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चुब के चालक दल को लेकर सोयुज एमएस-24 अंतरिक्ष यान कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम के लॉन्चपैड से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुआ।

चुनाव में हस्तक्षेप मामले में ट्रंप पर प्रतिबंध लगाने की मांग!

वाशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय चुनाव में हस्तक्षेप के मामले में विशेष वकील जैक स्मिथ ने जिला न्यायाधीश तान्या छुटकन से मांग की है कि ट्रंप पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभियोजकों ने कहा है कि यह उनकी मांग मान ली जाती है, तो यह ट्रंप को संभावित गवाहों की पहचान, गवाही या विश्वसनीयता के संबंध में बयान देने और किसी भी पार्टी, गवाह, वकील, अदालत कर्मियों, या संभावित जूरी सदस्यों के बारे में ऐसे बयान देने से प्रतिबंधित कर देगा, जो अपमानजनक, भड़काऊ या डराने वाले हों। अभियोजकों ने लिखा कि प्रतिवादी इस आपराधिक मामले में भी वही काम करने का प्रयास कर रहा है, ताकि आपराधिक न्याय प्रणाली में विश्वास को कम किया जा सके और इस जिले के नागरिकों, न्यायालय, अभियोजकों और संभावित गवाहों पर अपमानजनक और भड़काऊ हमलों के माध्यम से जूरी पूल पर प्रतिकूल प्रभाव डाला जा सके। एक रिपोर्ट के अनुसार वाशिंगटन में आपराधिक मामले की देखरेख के लिए ओबामा द्वारा नियुक्त छुटकन ने अभी तक अनुरोध पर कोई निर्णय नहीं लिया है। इस बीच, ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में विशेष वकील के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए स्मिथ को विक्षिप्त कहा। हाल ही में राजधानी में महिलाओं के समूह के रात्रिभोज को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अभियोजक स्वतंत्र रूप से और खुलकर बोलने के उनके अधिकार को छीनना चाहते हैं। 2024 के रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के दावेदार ट्रंप को बढ़ती कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन पर चार बार आपराधिक आरोप लगाया गया है, इसमें 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को पलटने के प्रयासों का आरोप भी है।

पाकिस्तान का बेस्ट फ्रेंड तुर्की क्यों दे रहा भारत का साथ? चीन-पाकिस्तान को लगी मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जी20 के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान के एक बयान ने पाकिस्तान को परेशान कर दिया है। इस बयान ने चीन को भी चिंतित कर दिया होगा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद एर्दोगान का भारत के प्रति हृदय परिवर्तन हो गया। दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई जिसमें व्यापार और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने को लेकर लंबी चर्चा हुई है। ये मुलाकात जी20 सम्मेलन से अलग हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इसके बाद एर्दोगान ने जो कहा वो पाकिस्तान और चीन दोनों के लिए किसी झटके से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होगा तो हमें गर्व होगा। ये बड़ा बयान उस शख्स की ओर से आया जिसकी सोच भारत विरोधी मानी जाती है। जो पाकिस्तान के साथ मिलकर कश्मीर का नापाक एजेंडा चलाता है। जिसने खुलकर अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विरोध किया। जो मुस्लिम कार्ड चलकर खुद को खलीफा साबित करने की कोशिश करता रहता है।

वही एर्दोगान यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता की वकालत करने लगे।

एक प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पी5 या सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका) के लिए तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया पांच से भी बड़ी है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व होगा अगर भारत जैसा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बन जाए। तुर्किए के राष्ट्रपति का ये बयान भारत के लिए ही नहीं बल्कि चीन और पाकिस्तान के लिए भी चौंकाने वाला है। तुर्किए भारत विरोधी चीन की गुटबाजी का हिस्सा रहा है। चीन लगातार यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करता रहा है। अब वही तुर्किए चीन के खिलाफ जाकर भारत की स्थायी सदस्यता की वकालत कर रहा है।

खालिस्तानियों की देश विरोधी गतिविधियों का असर? भारत-कनाडा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा का भारत में अक्टूबर में होने वाला व्यापार मिशन स्थगित कर दिया गया है। कनाडाई व्यापार मंत्री मैरी एनजी की प्रवक्ता शांति कॉसेंटिनो ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। प्रवक्ता ने बिना कोई कारण बताए कहा कि इस समय, हम भारत में आगामी व्यापार मिशन को स्थगित कर रहे हैं। हालाँकि, इस महीने की शुरुआत में कनाडा ने भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत पर रोक लगा दी थी। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के कुछ दिनों बाद आई है।

अपनी बातचीत के दौरान 10 सितंबर को पीएम मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखने के बारे में दिल्ली की मजबूत चिंताओं से अवगत कराया क्योंकि वे अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं और वहां भारतीय समुदाय को धमकी दे रहे हैं। ट्रूडो के साथ अपनी बातचीत में पीएम मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि भारत-कनाडा संबंधों की प्रगति के लिए ÷पारस्परिक सम्मान और विश्वास÷ पर आधारित संबंध आवश्यक है। पीएम मोदी के साथ अपनी बातचीत के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रूडो ने कहा कि उनका देश हमेशा शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि वह हमेशा हिंसा को रोकेगा और नफरत को पीछे धकेलेगा।

उन्होंने कहा कि कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रूडो ने कहा कि हम हिंसा को रोकने और नफरत को रोकने के लिए हमेशा मौजूद हैं। मुझे लगता है कि समुदाय के मुद्दे पर, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ लोगों की हरकतें पूरे समुदाय या कनाडा का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं।

युद्ध के कारण यूक्रेन में ऐतिहासिक स्थलों के नष्ट होने का खतरा: यूनेस्को

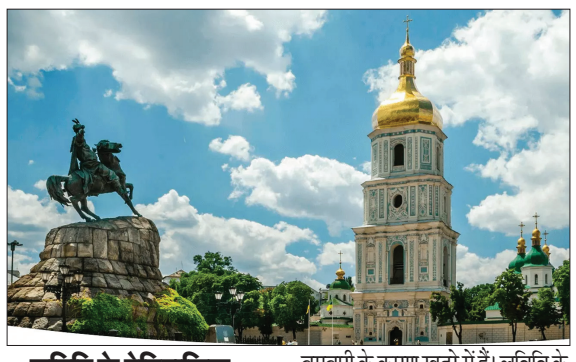

– लविवि के ऐतिहासिक पुराने शहर की स्थापना मध्य युग में हुई थी

कीव (एजेंसी)। यूनेस्को ने कहा है कि रूस के साथ चल रहे युद्ध के कारण यूक्रेन की राजधानी कीव और ल्वीव शहर में ऐतिहासिक स्थलों के नष्ट होने का खतरा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र सांस्कृतिक निकाय के अनुसार इन स्थलों में कीव में प्रतिष्ठित सेंट सोफिया कैथेड्रल, शहर के कीव-पेचेर्सक लावरा की मध्ययुगीन इमारतें और ल्वीव में ऐतिहासिक केंद्र शामिल हैं। इन स्थलों को यूनेस्को की खतरे में पड़ी विश्व विरासत की सूची में रखा गया है। एक बयान में यूनेस्को ने कहा कि उसकी विश्व धरोहर समिति ने निष्कर्ष निकाला है कि युद्ध के कारण इन संपत्तियों पर खतरा है। सीधे हमले के खतरे का सामना करते हुए ये स्थल बमबारी के कारण खतरे में हैं। लविवि के ऐतिहासिक पुराने शहर की स्थापना मध्य युग में हुई थी और इसने 13वीं से 20वीं शताब्दी तक एक प्रशासनिक, धार्मिक और वाणिज्यिक केंद्र के रूप में अपनी वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखा है। इसे 1998 में विश्व विरासत सूची में जोड़ा गया था। सेंट सोफिया कैथेड्रल, 11वीं शताब्दी में बनाया गया था और इसे तुर्की में हागिया सोफिया को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया था, जो उस समय कॉन्स्टेंटिनोपल का हिस्सा था। यह उस युग की कुछ जीवित इमारतों में से एक है। कीव-पेचेर्स्क लावरा की स्थापना कैथेड्रल के लगभग उसी समय हुई थी। यह रूस के लोगों का एक प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र था। जनवरी में यूक्रेनी बंदरगाह शहर ओडेसा को खतरे की सूची में शामिल किए जाने के बाद इसी सूची में नवीनतम वृद्धि हुई है।

जमीन पर तनाव, अंतरिक्ष में एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे रुस और अमेरिका

बैकोनूर(एजेंसी)। यूक्रेन को लेकर रूस और अमेरिका के बीच तनाव है, दोनों ही देश एक दूसरे के आमने सामने हैं, लेकिन अंतरिक्ष शोध और कार्यक्रमों की बात की जाए तब दोनों देश एक साथ खड़े नज़र आते हैं। ऐसा ही कुछ देखने को मिला जब दो रूसी अंतरिक्ष यात्री और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरने के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे। इससे पहले रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनोनेंको और निकोलाई चूब और नासा के अंतरिक्ष यात्री लोरल ओ'हारा ने सोयुज एमएस-24 अंतरिक्ष यान में सवार होकर कजाकिस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से उड़ान भरी थी।

रूसी स्पेस एजेंसी ने बताया कि चालक दल तीन घंटे बाद अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में पहुंचा। ओरबिटिंग स्टेशन में इन तीनों अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यूरोपियन स्पेस एजेंसी के प्रतिनिधियों सहित,

तीन रूसी, दो अमेरिकी और एक जापानी अंतरिक्ष यात्री शामिल हो रहे। कोनोनेंको ने उड़ान से पहले तनाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में हम एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं, एक दूसरे की सुनते हैं और एक दूसरे को समझते हैं। वहां हम अपने रिश्तों को लेकर बेहद संवेदनशील होते हैं। वहीं ओ'हारा ने स्टेशन की तारीफ करते हुए कहा कि यह देशों को एक साथ ला रहा है। उन्होंने कहा, मैं जहाज पर चढ़ने और उन क्रू साथियों को देखने के लिए उत्साहित हूं जो हमारा इंतजार कर रहे हैं।

कोनोनेंको (59), और चुब (39) आईएसएस में एक साल बिताएंगे, वहीं ओ'हारा (40) छह महीनें रहेंगी। ओ'हारा और चुब के लिए यह पहला मिशन है। चुब का कहना है कि अंतरिक्ष यात्रा करना उनका बचपना का सपना था, और उन्होंने अपने इस सपने को हासिल करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी लगा दी। रोसकोसमोस के मुताबिक, इन तीनों अंतरिक्षयात्रियों को मार्च में धरती पर लौटना था लेकिन उनके जहाज सोयुज एमएस-22 के किसी उल्कापिंड से टकराजाने की वजह से उसमें तकनीकी खराबी आ गई थी, अब वे एमएस-23 से धरती पर वापस लौटने वाले हैं।

170 एटम बम, पाकिस्तान ने बढ़ाए परमाणु हथियार, भारत ने खोज निकाली लोकेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में भुखमरी है और ऐसे हालात में पाकिस्तान परमाणु हथियार बनाने में जुटा हुआ है। पाकिस्तान ने अपने डिफेंस बजट को 15 फीसदी बढ़ा दिया है। सोचिए पाकिस्तान का आने वाले दिनों में क्या हाल होगा। आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान भले ही दाल-रोटी के लिए तरह रहा हो। लेकिन वो तेजी से अपने परमाणु जखीरे को बढ़ा रहा है। ये बात अमेरिका की उस संस्था ने अपनी रिपोर्ट में बताई जो पूरी दुनिया में परमाणु असले का रिकॉर्ड रखती है। एफएएस यानी फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट ने अपनी रिपोर्ट में बहुत ही तफ्सील से बताया कि पाकिस्तान ने अपना परमाणु जखीरा आखिर कहां कहां छुपाया हुआ है। वो भी बकायदा सैटेलाइट इमेज के जरिए।

पाकिस्तान के आर्थिक हालात खस्ता हाल हैं।

दुनिया से कर्ज की भीख मांग रहा है। महंगाई आसमान पर पहुंच गई है। आवाम खाली पेट की दुहाई दे रही है। लेकिन अमेरिकी संस्था एफएएस ने जो रिपोर्ट जारी की है उससे पाकिस्तान का युद्ध वाला उन्माद पूरी दुनिया के सामने आ गया है। इस गंभीर आर्थिक संकट के बाद भी पाकिस्तान लगातार अपने परमाणु बमों की संख्या को बढ़ा रहा है। एफएएस ने पाकिस्तान न्यूक्लियर वेपन 2023 नोटबुक जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के पास फिलहाल 170 परमाणु हथियार हैं। जो 2025 तक 200 केपार जा सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने न्यूक्लियर क्षमता वाले मिसाइल बेस और फैसिलिबटीज की लोकेशन की जानकारी नहीं मिल पाई। हालांकि, सैटेलाइट तस्वीरें से ये पता चला है कि पाकिस्तान के 5 मिसाइल बेस हैं। जहां से उसकी न्यूक्लियर फोर्सेस ऑपरेट कर सकती हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान जमीन और समुद्र से दागीं जाने वाली क्रूज मिसाइलों में लगातार मॉडिफिकेशन कर रहा है। भारत अपने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम को डेवलप कर रहा है।

किम रूसी बंदरगाह शहर पहुंचे, परमाणु हमले करने में सक्षम बम वर्षक विमान देखे

– किम व्लादिवोस्तोक में रूस के प्रशांत बेड़े में शामिल नौसैनिक पोत का कर सकते हैं निरीक्षण

मास्को (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन शनिवार सुबह रूस के सुदूर बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक पहुंचे, जहां उन्हें परमाणु हमले करने में सक्षम बम वर्षक विमान दिखाए गए। किम दिन में व्लादिवोस्तोक में रूस के प्रशांत बेड़े में शामिल नौसैनिक पोत का जायजा लेने जा सकते हैं। रूस के प्रिमोर्स्की क्षेत्र के गवर्नर ओलेग कोझेम्याको ने व्लादिवोस्तोक से लगभग 40 किलोमीटर (25 मील) उत्तर-पूर्व में आर्त्योम शहर में किम के आने की घोषणा की। गवर्नर ने एक मैसेजिंग ऐप पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें किम हरे-पीले रंग की ट्रेन से मुस्कराते हुए उतरते दिख रहे हैं और स्कूल के बच्चे उन्हें फूल दे रहे हैं। आर्त्योम पहुंचने के बाद किम व्लादिवोस्तोक हवाई अड्डे पहुंचे, जहां रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और अन्य सैन्य अधिकारियों ने उन्हें परमाणु हमले करने में सक्षम बमवर्षक विमान और अन्य युद्धक विमान दिखाए। शोइगु ने किम को रूस की नवीनतम मिसाइल हाइपरसोनिक किंझल भी भेंट की, जिन्हें मिग-31 लड़ाकू विमान के जरिये दागा जाता है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि किम रूस के अत्याधुनिक युद्धक विमानों का निर्माण करने वाली फैक्टरी को देखकर बेहद प्रभावित हुए हैं। किम की यह यात्रा वोस्तोचनी स्पेसपोर्ट में उनके और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बातचीत और कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर में विमान निर्माण संयंत्र के उनके दौरा के बाद हो रही है। किम अपनी बख्तरबंद ट्रेन से मंगलवार को रूस पहुंचे थे। उन्होंने हथियारों और प्रौद्योगिकी से जुड़े कई स्थलों का दौरा किया। रूस और उत्तर कोरिया पर पश्चिमी देशों ने कई प्रतिबंध लगाए हैं तथा उन्हें अलग-थलग कर दिया है। विशेषज्ञों का मनना है कि दोनों देश अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को गहरा कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों की चिंता है कि किम यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच मॉस्को को हथियार मुहैया करा सकते हैं और बदले में उत्तर कोरिया को रूस से उन्नत प्रौद्योगिकी मिल सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घुसपैठ की कोशिश कर रहे 3 आतंकवादियों को उरी सेक्टर में सेना ने किया ढ़ेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बारामूला के उरी, हथलंगा में शनिवार सुबह आतंकवादियों की सेना और बारामूला पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई, जिसमें 3 आतंकी मारे गए।इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है।कुछ और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। भारतीय सेना ने कहा, सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा शुरू एक संयुक्त अभियान में, उरी सेक्टर में एलओसी के पास शनिवार सुबह घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। 3 आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की और सतर्क सैनिकों ने उन्हें मार गिराया।उन्होंने बताया कि 2 आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनके शव बरामद कर लिए गए, तीसरा आतंकवादी मारा गया। लेकिन एलओसी पर आसपास के क्षेत्र में पाक पोस्ट द्वारा गोलीबारी के कारण शव की पुनर्प्राप्ति में बाधा उत्पन्न हुई।इस बीच अनंतनाग जिले के कोकरनाग इलाके में सुरक्षा बलों का एंटी टेरर ऑपरेशन लगातार चौथे दिन भी जारी है। दो से तीन आतंकी जंगलों में छिपे हुए हैं। सुरक्षा बल उनकी तलाश में जुटे हुए हैं। ड्रोन के जरिए आतंकियों पर नजर रखकर उन्हें उनके बिल से बाहर निकालने के लिए बमबमारी की जा रही है।गत 13 सितंबर को अनंतनाग में शुरू हुए आतंक रोधी अभियान में भारतीय सेना का एक कर्नल, एक मेजर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक डीएसपी शहीद हो चुके हैं।आतंकी भी जंगलों में छिपकर गोलीबारी कर रहे हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि उनके पास पर्याप्त मात्रा में हथियार-बारूद हैं। सुरक्षा बल जंगलों में छिपे आतंकियों को बाहर निकालने के लिए भारी हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उजैर खान के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानीय लश्कर-ए-तैयबा ऑपरेटिव सहित कम से कम 2 आतंकवादियों के जंगलों में छिपे होने का संदेह है।

आज़म ख़ान के यहां छापेमारी पर सपा नाराज, अखिलेश ने साधा सरकार पर निशाना

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के यहां हुई छापेमारी से सपा बेहद नाराज है। हालांकि उनके रामपुर स्थित आवास पर आयकर विभाग की करीब 60 घंटे तक चली छापेमारी की कार्रवाई समाप्त हो गई। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर जमकर निशाना साधा है। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा कि आज तीन दिन बाद जाकर आज़म ख़ान साहब के यहां छापे ख़त्म हुए हैं। अवाम को समझ आ रहा है, जो उनके साथ हो रहा है वो किसी के साथ भी हो सकता है। जो हुक्मरान ये सोच रहे हैं कि जुल्म से वो जीत जाएंगे तो उन्हें ये भी समझ लेना चाहिए कि हिंदुस्तान वो नायाब देश है जो दुश्मन के साथ भी नाइंसाफ़ी बर्दाश्त नहीं करता और वक़्त आने पर सच का ही साथ देता है। हर धर्म-मजहब से ऊपर उठकर सच्चे मनवालों की एकता और अमन की ताक़त ही आख़िर में जीतती रही है, और आगे भी जीतती रहेगी। यहां गौरतलब है कि आयकर विभाग ने तीन दिन तक समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता आजम खान और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 800 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी का संदेह जताया है। आयकर अधिकारी, सुरक्षा बलों के साथ बुधवार सुबह सात बजे आजम खान के जेल रोड स्थित आवास में दाखिल हुए और शुक्रवार शाम सात बजे तक छापेमारी की। शुक्रवार शाम करीब सात बजे आयकर अधिकारियों के उनके आवास से जाने के बाद आजम खान ने कहा कि यह आयकर विभाग की छापेमारी थी और वे लोग यहां तीन दिन तक रहे, उन्होंने तलाशी ली और सवाल पूछे। खान ने इससे आगे सवालों का पत्रकारों को जवाब देने से इनकार कर दिया। विभाग ने पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के कुछ परिसरों के अलावा उत्तर प्रदेश के रामपुर, सहारनपुर, लखनऊ, गाजियाबाद और मेरठ में छापेमारी की है। यह कार्रवाई खान और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा संचालित कुछ ट्रस्ट संगठनों से संबंधित है।

प्रोजेक्ट चीता 2.0 शुरु करने की तैयारी, द.अफ्रीका से आएंगे चीते

नई दिल्ली । प्रोजेक्ट चीता के प्रमुख एस पी यादव ने कहा कि भारत की इसतरह के चीते मंगाने की योजना है, जिनकी चमड़ी मोटी नहीं होती हो। दरअसल, अफ्रीका से भारत लाए गए चीतों में से कुछ चमड़ी मोटी होने के कारण ही गंभीर संक्रमण की चपेट में आए थे और तीन चीतों की मौत की वजह बनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए चीतों को पिछले वर्ष 17 सितंबर को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में छोड़ा था और इसी के साथ देश में 'प्रोजेक्ट चीता की शुरुआत हुई थी।' प्रोजेक्ट चीता का रविवार को एक वर्ष पूरा हो रहा है। पर्यावरण मंत्रालय में अतिरिक्त महानिदेशक (वन) यादव ने कहा कि 'प्रोजेक्ट चीता के दूसरे वर्ष में पूरा ध्यान इन पशुओं के प्रजनन पर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चीतों को पहनाए गए रेडियो कॉलर के कारण उन्हें कोई संक्रमण नहीं हुआ था। हालांकि, अधिकारियों ने इन कॉलर की जगह दक्षिण अफ्रीका के उसी निर्माता के बनाए नए कॉलर लगाने का फैसला किया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के प्रमुख यादव ने कहा कि चीतों की अगली खेप दक्षिण अफ्रीका से आएगी और उन्हें मध्यप्रदेश के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ा जाएगा। इस अभयारण्य में चीतों को छोड़ने की तैयारी साल के अंत तक पूरी कर ली जाएगी।

सीएम योगी से वॉट्सएप पर बात कर सकेगी जनता, लोगों की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री की अनोखी पहल

लखनऊ । प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ ने आम नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक नई पहल की है। प्रदेश के नागरिक अब वॉट्सएप के माध्यम से सीधे मुख्यमंत्री ऑफिस के साथ संवाद कर सकेंगे। सीएम योगी के निर्देश पर लोगों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए चीफ मिनिस्टर ऑफिस, उत्तर प्रदेश के नाम से वॉट्सएप चैनल की शुरुआत की गई है। इस चैनल से जुड़ने वाले लोग आसानी से अपनी बात सीएम ऑफिस के समक्ष रख सकेंगे। सोशल मीडिया पर सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश सरकार के हैंडल से इस पहल की जानकारी दी गई। सीएम ऑफिस के आधिकारिक हैंडल @CMOfficeUP की ओर से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के लिए प्रदेश के 25 करोड़ नागरिक 'एक परिवार' हैं। मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'परिवार' के प्रत्येक सदस्य की खुशहाली एवं समृद्धि हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। संवाद को लोकतंत्र की आत्मा मानने वाले मुख्यमंत्री जी के 'उत्तर प्रदेश परिवार' के प्रत्येक सदस्य से सहज संवाद के लिए प्रदेश सरकार द्वारा संचार के सशक्त व सरल माध्यम वॉट्सएप का उपयोग करते हुए Chief Minister Office, Uttar Pradesh नाम से आधिकारिक वॉट्सएप चैनल शुरू किया गया है। संवाद का यह नया प्रभावशाली मंच प्रदेश सरकार से जुड़ी जनहित की सूचनाओं का त्वरित संप्रेषण करेगा। इस चैनल की खास बात यह है कि इससे कोई भी व्यक्ति जुड़ सकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय से सीधे व त्वरित सूचनाएं प्राप्त करने के लिए इस वॉट्सएप चैनल से अवश्य जुड़ें। उल्लेखनीय है कि आम नागरिकों से संवाद स्थापित करने के लिए वॉट्सएप चैनल के उपयोग की यह अनोखी पहल करने वाले योगी आदित्यनाथ पहले मुख्यमंत्री हैं।

अधिवक्ता नेदुमपारा ने सुप्रीम कोर्ट पर लगाया आम आदमी की उपेक्षा का आरोप

-संवैधानिक पीठों की सुनवाई में जनहित के मामले नदारद

नईदिल्ली ।सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हिंसा, महाराष्ट्र सत्ता संघर्ष, अनुच्छेद 370 जैसे सहित कई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर रही है। इस दौरान एक वकील ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट आम आदमी की बात नहीं सुनता। अधिवक्ताओं ने दावा किया कि संविधान पीठ केवल हित की याचिकाओं पर सुनवाई करती है। इस पर चीफ जस्टिस चंद्रचाद ने वकीलों को सुना। प्राप्त जानकारी के मुताबिक वकील मैथ्यूज नेदुमपारा ने सुप्रीम कोर्ट को एक ईमेल भेजा था। इस ईमेल में नेदुमपारा ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट केवल संवैधानिक अदालत के मामलों की सुनवाई कर रहा है। संवैधानिक पीठों द्वारा सुनवाई में जनहित के कोई मामले नहीं हैं। यह आम नागरिकों के मामले नहीं सुनता। नेदुमपारा ने कहा कि वह सुनवाई को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने का अच्छा काम करने के लिए अदालत को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि इससे वकीलों और वादकारियों को काफी फायदा हुआ है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि उसे श्री नेदुमपारा के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। पीठ ने बताया कि महासचिव ने मुझे सुप्रीम कोर्ट को लिखे ईमेल के बारे में सूचित किया है।

इंडिया/भारत: मोदी सरकार को चुनौती देते हुए केजरीवाल बोले-

क्या इंडिया आपके पिता जी का है?

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश का नाम बदलने को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर वे भारत का नाम बदलने की हिम्मत करते हैं तो वह भाजपा को चुनौती देना चाहेंगे। केजरीवाल ने आगे कहा कि बीजेपी सरकार पिछले साल तक इंडिया के नाम से कई कार्यक्रम चलाती थी। शनिवार को चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, 'क्या इंडिया आपके पिता जी का है? यह 140 करोड़ लोगों का है। मैं बीजेपी को चुनौती देना चाहता हूं कि वे भारत का नाम बदलने की हिम्मत करें। उन्होंने कहा कि इंडिया और भारत हमारे दिल में बसता है। किस-किस के दिल से इंडिया निकालोगे।

केजरीवाल ने कहा कि वे (भाजपा) पिछले साल तक भारत के नाम से कई कार्यक्रम चलाते थे। 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियान थे, और एक बार जब विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम I.N.D.I.A रखा, तो वे (भाजपा) देश का नाम बदलने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि अगर विपक्षी गठबंधन अपना नाम 'इंडिया' रखता है तो क्या बीजेपी भारत का नाम बदलकर कुछ और रखेगी। आप सुप्रीमो ने अनंतनाग मुठभेड़ पर पीएम मोदी की चुप्पी को लेकर उन पर हमला तेज कर दिया और उनसे पूछा कि क्या उन्हें दुख महसूस नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अब चार दिन हो गए हैं (अनंतनाग) मुठभेड़ अभियान के दौरान उनकी (जवानों की) जान चली गई, लेकिन पीएम मोदी ने एक भी शब्द नहीं बोला। आप बोल क्यों नहीं रहे? क्या तुम्हें दुःख का एहसास नहीं होता।

दिल्ली के मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के जगदलपुर के लालबाग मैदान में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे।केजरीवाल ने आगे कहा कि अगर उनकी पार्टी छत्तीसगढ़ में सत्ता में आती है तो वह बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी को 75 साल हो गए हैं लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने अब तक शिक्षा के बारे में बात नहीं की है। हम अपने बच्चों को शिक्षित बनाना चाहते हैं ताकि गरीबी खत्म हो सके। गौरतलब है कि इस साल के अंत में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम और राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं।

सनातन विवाद पर कांग्रेस नेता सुरजेवाला का बयान, सनातन धर्म है और हमेशा रहेगा

भोपाल। तमिलनाडू में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन पर दिए बयान पर चुप्पी साधने वाली कांग्रेस ने कहा है कि सनातन धर्म है और हमेशा रहेगा। यह बात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला ने कही। कांग्रेस की जनाक्रोश यात्रा 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के दिन से शुरु होगी। यह यात्रा 11 हजार 400 किलोमीटर की होगी। इस मौके पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि इस दौरान प्रदेश में सात यात्राएं निकाली जाएंगी। प्रदेश की जनता में आक्रोश है। यहां हर वर्ग परेशान है। भारत सनातन धर्म का देश है। आज ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। अगले तीन महीने बीजेपी जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करेगी। वह धार्मिक विवाद खड़ा कर मूल मुद्दों से ध्यान भटकाएगी। इस मौके पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि एमपी की चुनौती बेरोजगारी है। एमपी में दिल्ली के नेताओं की भीड़ लगी हुई है। बीजेपी को 15 साल के काम पर वोट मांगने में शर्म आ रही है। बनावटी, दिखावटी, मिलावटी, सजावट ही बीजेपी का चेहरा रह गया है।

देश जानना चाहता हैं कि सीडब्ल्यूसी लोकसभा चुनावों पर क्या संदेश देती : पवन खेड़ा

- हैदराबाद में हो रही कांग्रेस कार्य समिति की बैठक ऐतिहासिक

हैदराबाद (एजेंसी)। आज पूरा देश हैदराबाद की ओर देख रहा है, क्योंकि लोग जानना चाहते हैं कि पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनावों पर कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) क्या कहती है। यह बात पार्टी नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को कही। सीडब्ल्यूसी की बैठक को ऐतिहासिक करार देकर उन्होंने कहा, हम अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और यह सुनिश्चित करने वाले हैं, कि हम लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के साथ न्याय करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीडब्ल्यूसी के दौरान खुली बहस होगी, क्योंकि सदस्य कोई भी मुद्दा उठाने या सुझाव देने के लिए स्वतंत्र होते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत जोड़ो यात्रा ने देश में राजनीति की दिशा बदल दी है। उन्होंने कहा, पिछले एक साल से, कांग्रेस पार्टी सचमुच इस देश की सड़कों पर लोगों के मुद्दों को उठा रही है और उन मुद्दों के बारे में बात कर रही है, जो दुर्भाग्य से पिछले नौ वर्षों से हमारे कथा की मुख्यधारा में नहीं हैं।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने कहा कि 4,000 किलोमीटर का मेगा वॉकथॉन जिस तरह से हम राजनीति करते हैं एक महत्वपूर्ण मोड़ था। वे पिछले नौ वर्षों से हमारा ध्यान एक काल्पनिक विवाद से दूसरे विवाद की ओर भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा ने इस पूरी तरह से बदल दिया है। चाहे आप नरेंद्र मोदी हों या अमित शाह, आपको उन वास्तविक मुद्दों पर आना होगा, जो इस देश के सामने हैं। भारत जोड़ो यात्रा ने यही किया है, लेकिन अब यह उनके लिए बहुत मुश्किल है, क्योंकि यह उनके पाठ्यक्रम में नहीं है। उन्होंने कहा, उनका पाठ्यक्रम उस पाठ्यक्रम से अलग है, जो लोग चाहते हैं। भारत जोड़ो यात्रा ने सुनिश्चित किया है कि पाठ्यक्रम जनता द्वारा तय किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब से मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना अध्यक्ष चुना।

कोई अन्य पार्टी इस उपलब्धि को हासिल नहीं कर सकती। किसी अन्य पार्टी में इस तरह का खुला चुनाव नहीं हुआ है। हमें अपने अध्यक्ष को चुनने की इस परंपरा पर बहुत गर्व है। हमने दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता बताने वाले सर्वेक्षण के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ट्वीट पर कांग्रेस नेता खेड़ा ने इस फर्जी सर्वेक्षण बताकर कहा कि ये चुनाव से पहले भाजपा द्वारा अपनाए गए हथकंडे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने कहा कि इन हथकंडों से पता चलता है कि भाजपा को हार का डर है,उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को भारत में चुनाव लड़ना है और उन्हें ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सनक या अन्य विश्व नेताओं से अपनी तुलना करने के बजाय, पहले मूल्य वृद्धि, बेरोजगारी, चीन की घुसपैठ जैसे मुद्दों से निपटना चाहिए। उन्होंने टिप्पणी की कि लोग मोदी से थक गए हैं और उन्हें आराम करना चाहिए, क्योंकि वह भी हर दिन 18 घंटे काम करने के बाद थक गए हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा सनातन धर्म पर डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी पर इंडिया ब्लॉक की आलोचना करने पर, कांग्रेस नेता ने पूछा कि ठाकुर को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर कोई आपत्ति क्यों नहीं है, जब भागवत ने कहा था कि 2,000 वर्षों से जातिगत भेदभाव है और जिन लोगों के साथ भेदभाव किया गया उनका जीवन जानवरों जैसा हो गया।

बीजेपी- जेडीएस गठबंधन को शिवकुमार ने बताया समझौते की राजनीति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीजेपी- जेडीएस गठबंधन को समझौते की राजनीति बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने जनता दल-सेक्युलर के साथ संभावित गठबंधन को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी समझौते की राजनीति का सहारा ले रही है। भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं के कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। पूर्व पार्षद एल श्रीनिवास, अंजनप्पा, एच सुरेश, वेंकट स्वामी नायडू, नारायण, रामू, बालत्रा, कबाड़ी बाबू और एम नागराज शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में शामिल होने वालों को पूर्व मंत्री आर अशोक का करीबी माना जाता है।

शिवकुमार ने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव में अपनी संख्या को लेकर बहुत आश्वस्त था, अब मैं कह रहा हूं कि हम लोकसभा और बीबीएमपी चुनाव में कई और सीटें जीतेंगे। भाजपा और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के संभावित गठबंधन के बारे में बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि राज्य में भाजपा की हालत खराब है और वह उन लोगों से हाथ मिला रही है जिन्होंने उन्हें धोखा दिया है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने एक दूसरे को धोखा दिया। वे समझौतावादी राजनीति कर रहे हैं। जनता दल-सेक्युलर नेता एचडी कुमारस्वामी ने पहले कहा था कि उनकी पार्टी और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत हुई है लेकिन सीट बंटवारे पर कोई बात नहीं हुई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) के साथ हाथ मिलाने पर चर्चा अभी चल रही है और केंद्रीय नेतृत्व इस पर अंतिम फैसला लेंगे।

23 सितंबर को होगी ' वन नेशन, वन इलेक्शन ' समिति की पहली बैठक, पूर्व राष्ट्रपति ने दी जानकारी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' समिति की पहली बैठक 23 सितंबर (शनिवार) को होगी। पूर्व राष्ट्रपति और समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा, 'पहली बैठक 23 सितंबर 2023 को होगी।' 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी। कई राजनीतिक दल, राजनेता और चुनाव विशेषज्ञ तब से संसद के विशेष सत्र को बुलाने के एजेंडे की भविष्यवाणी और अनुमान लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच सरकार ने 1 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए एक समिति का गठन किया। इस सिलसिले में बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने भी पहले पूर्व राष्ट्रपति से उनके आवास पर मुलाकात की थी।

चूंकि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर एक समिति का गठन किया गया है, इससे यह अटकलें और तेज हो गई हैं कि इस विधेयक को पेश करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। 2014 में सत्ता में आने के बाद से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ चुनाव के विचार के प्रबल समर्थक रहे हैं, जिसमें स्थानीय निकायों के चुनाव भी शामिल हैं, उन्होंने लगभग निरंतर चुनाव चक्र के कारण होने वाले वित्तीय बोझ और मतदान अवधि के दौरान विकास कार्यों को झटका लगने का हवाला दिया है। रामनाथ कोविंद ने भी मोदी के विचार को दोहराया था और 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद इस विचार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था।

सनातन विरोधियों को अगले वर्ष मिलने वाला है मोक्ष

-श्रीरामचरितमानस पर बिहार के मंत्री के बयान पर योग गुरु बाबा रामदेव की प्रतिक्रिया

वाराणसी (एजेंसी)। श्रीरामचरितमानस पर बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है कि सनातन को गाली देने वालों को अगले वर्ष 2024 में मोक्ष मिलने वाला है। योग गुरु ने कहा कि सनातन धर्म का मर्म काशी में है। शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे बाबा रामदेव ने मीडिया से कहा कि काशी अनादि और अनंत से उपासना का एक महातीर्थ होने के साथ ही विद्या और मोक्ष की नगरी है। इसमें दिव्यता तो युगों-युगों से थी, लेकिन पीएम मोदी द्वारा दी गई भव्यता से यह विश्व भर में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। भारतीय सांस्कृतिक विरासत यह महातीर्थ काशी अपने पूरे वैभव के साथ वैश्विक आकर्षण का केंद्र बना है। यह हेल्थ टूरिज्म, धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए दुनिया में आकर्षण का केंद्र बन गया है। नॉलेज टूरिज्म और सबसे बड़ा कल्चर टूरिज्म ही सनातन धर्म का सार है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव ने श्रीरामचरितमानस ग्रन्थ की तुलना जानलेवा पोटेशियम साइनाइड से करते हुए कहा था कि जिस तरह पचपन प्रकार के व्यंजन में पोटेशियम साइनाइड मिला दिया जाये वैसा ही हाल इस ग्रन्थ का है। इससे पहले भी वे इस ग्रंथ को समाज को बांटने वाला बता चुके हैं जबकि जन्माष्टमी के मौके पर मोहम्मद पैगंबर को मर्यादा पुरुषोत्तम भी कह चुके हैं

इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के मंत्री बेटे उदयनिधि ने सनातन को लेकर विवादास्पद बयान दिया था। उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए कहा था कि सनातन का सिर्फ विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे समाप्त ही कर देना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं अपितु मिटाना है। इसी तरह हमें सनातन को भी मिटाना है. वहीं, फिल्म अभिनेता प्रकाश राज ने भी सनातन धर्म को तनातन बताते हुए कहा कि सनातन डेंगू बुखार की तरह है और इसका खात्मा होना जरूरी है।

चीन को आंख दिखाने भारत की मदद ले रहा रुस

नई दिल्ली । जी20 बैठक में भारत ने उस काम को कर दिखाया जिसे दुनिया असंभव मान रही थी। पीएम मोदी से नफरत करने वाले लोग बोल रहे थे कि यूक्रेन के मुद्दे पर कोई सहमति नहीं बन पाएगी। भारत में होने वाला जी20 सम्मेलन पहला ऐसा सम्मेलन होगा जो बिना किसी घोषणापत्र के खत्म होगा। लेकिन भारत ने न केवल साझा घोषणापत्र जारी करवाया। बल्कि इसमें रूस के जिक्र के बिना यूक्रेन में लड़ाई का जिक्र कर अपने दोस्त को भी नाराज नहीं किया। इसके साथ ही पश्चिमी देशों को भी साध लिया। रूस जी20 का एहसान चुकाने के लिए भारत को एक बड़ा तोहफा देने जा रहा है। रूस ने भारत को ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम की बड़ी बैठक में शामिल होने के लिए अपने शहर व्लादिवोस्तोक बुलाया है। ये रूस का वहां शहर है, जो चीन से सटा हुआ है। चीन लगातार व्लादिवोस्तोक पर कब्जा करने की कोशिश में लगा हुआ है। आप व्लादिवोस्तोक को रूस का बलूचिसतान भी कह सकते हैं। क्योंकि रूस का ये इलाका नैचुरल रिसोर्स का भंडार है। इसकारण चीन की गंदी नजरें यहां गड़ी हुई हैं। व्लादिवोस्तोक पर एक समय में चीनी राजशाही चलती थी। तब वहां चिंग साम्राज्य का राज था और शहर का नाम भी हिशेनवई था। साल 1839 में पहले अफीम युद्ध के वक्त जब ब्रिटेन ने हमला किया, तब शहर को कब्जे में लेकर उसका नाम पोर्ट में कर दिया गया।

निपाह वायरस है बेहद खतरनाक, कोविड 19 से 20 गुणा अधिक है खतरा, मौत के आंकड़े हो सकते हैं अधिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण ऐसा फैला था कि उसका प्रकोप वर्षों तक दुनिया ने देखा है। कोरोना वायरस संक्रमण ने दुनिया भर में अनगिनत लोगों की जान ले ली जबकि कई को पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस के साथ छोड़ दिया। कोरोना वायरस संक्रमण के बाद कई जगहों पर अन्य वायरस भी देखने को मिले है।

इसी क्रम में केरल के कोझीकोड़ में निपाह वायरस का आतंक देखने को मिल रहा है। इस वर्ष निपाह वायरस ने केरल में दो लोगों की जान ले ली है। वहीं चार लोग इस घातक वायरस से संक्रमित हो चुके है। इसी बीच भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के डीजी राजीव बहल ने कुछ आंकड़े पेश किए हैं जो बेहद ही डराने वाले हैं। आईसीएमआर ने निपाह वायरस के संदर्भ में बेहद चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए है। जानकारी के मुताबिक निपाह वायरस में मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत के बीच है। इसकी रोकथाम के लिए केंद्र सरकार ने उपाय करने शुरू किए है। केंद्र सरकार ने ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 डोज खरीदने का फैसला किया है।

डोज खरीदने को लेकर आईसीएमआर चीफ राजीव बहल ने कहा कि वर्ष 2018 में भी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की कुछ डोज ऑस्ट्रेलिया से ली गई थी। अभी ये डोज सिर्फ 10 मरीजों के लिए उपलब्ध है। 20 डोज और भी खरीदी जाएगी। मगर ये ऐसी दवाई है जो कि संक्रमण के शुरुआती दौर में ही मरीज को देनी होती है।

कोरोना वायरस से अधिक खतरनाक है निपाह

कोरोना वायरस संक्रमण से भी अधिक खतरनाक निपाह वायरस है। अगर इस संक्रमण की चपेट में 100 लोग आते हैं तो 40-70 लोगों की जान जाने का खतरा मंडराता है। राजीव बहल ने कहा कि कोरोना संक्रमण में मृत्यु दर बस दो-तीन प्रतिशत है। निपाह वायरस से संक्रमित मरीजों में मृत्यु दर काफी अधिक है। इससे 40 से 70 प्रतिशत का अधिक खतरा मंडराने लगता है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग इस वायरस के संक्रमण से बचने के उपाय खोज रही है।

इंसानों से फैल सकता है निपाह

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि ये बांग्लादेशी स्ट्रेन है जो बेहद खतरनाक है। ये वायरस इंसानों से इंसानों में फैल सकता है। निपाह वायरस के कारण अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। खास बात है कि ये वेरिएंट अधिक संक्रामक नहीं है मगर इसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। बता दें कि अब तक निपाह वायरस की कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो सकी है ऐसे में इससे बचने के लिए बचाव करना अधिक आवश्यक है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना की केन्द्रीय मंत्री के समक्ष रखी मांग

उदयपुर। राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना के लिए लाइन प्रोड्यूसर मुकेश माधवानी ने इस बार केन्द्र सरकार के समक्ष उदयपुर में फिल्म सिटी की मांग को पुरजोर ढंग से रखा है। माधवानी ने शुक्रवार को उदयपुर में पर्यटन विभाग के हितधारकों की परामर्श बैठक के दौरान अध्यक्षता कर रहे केन्द्रीय पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट के समक्ष यह मांग रखी। माधवानी ने अपनी मांग में मंत्री को अवगत करवाया कि उदयपुर में सिनेमा को लेकर बहुत संभावनाएं हैं, यहां हर साल कई फिल्मों, एड, म्यूजिक एल्बम आदि की शूटिंग होती है। ऐसे में अगर उदयपुर में फिल्म सिटी की स्थापना होती है तो यहां पर्यटन को बल मिलेगा। साथ ही क्षेत्रीय प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने का मंच मिलेगा और रोजगार के भी द्वार खुलेंगे।

इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर का पहले चरण का आज लोकार्पण करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नयी दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) का पहला चरण 'यशोभूमि' राष्ट्र को समर्पित करेंगे तथा नए मेट्रो स्टेशन 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' तक दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का भी उद्घाटन करेंगे।

आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'यशोभूमि' को करीब 5400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह एक भव्य कन्वेंशन सेंटर, कई प्रदर्शनी हॉल और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें 73 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बने कन्वेंशन सेंटर में मुख्य सभागार, ग्रैंड बॉलरूम सहित 15 सम्मेलन कक्ष और 13 बैठक कक्ष शामिल हैं, जिनकी कुल क्षमता 11 हजार प्रतिनिधियों की है। कन्वेंशन सेंटर में देश का सबसे बड़ा एलईडी मीडिया अग्रभाग है। कन्वेंशन सेंटर का पूर्ण हॉल में छह हजार मेहमानों की बैठने की क्षमता है।

'यशोभूमि' में दुनिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी हॉलों में से एक है। उन्होंने बताया कि 1.07 लाख वर्ग मीटर से अधिक में बने इन प्रदर्शनी हॉलों का

● यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'यशोभूमि' को करीब 5400 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। यह एक भव्य कन्वेंशन सेंटर, कई प्रदर्शनी हॉल और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें 73 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बने कन्वेंशन सेंटर में मुख्य सभागार, ग्रैंड बॉलरूम सहित 15 सम्मेलन कक्ष और 13 बैठक कक्ष शामिल हैं, जिनकी कुल क्षमता 11 हजार प्रतिनिधियों की है। कन्वेंशन सेंटर में देश का सबसे बड़ा एलईडी मीडिया अग्रभाग है। कन्वेंशन सेंटर का पूर्ण हॉल में छह हजार मेहमानों की बैठने की क्षमता है।

उपयोग प्रदर्शनियों, व्यापार मेलों और व्यावसायिक कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाएगा। इसमें 100 प्रतिशत अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग, वर्षा जल संचयन के प्रावधानों के साथ अत्याधुनिक अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली का उपयोग किया गया है और इसके परिसर को सीआईआई के भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) से प्लेटिनम प्रमाणन प्राप्त हुआ है। आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च तकनीक सुरक्षा प्रावधानों से भी सुसज्जित है। यह तीन हजार से अधिक कारों के लिए भूमिगत कार पार्किंग सुविधा भी 100 से अधिक इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉइंट से सुसज्जित है।

नए मेट्रो स्टेशन 'यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25' के उद्घाटन के साथ 'यशोभूमि' दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन से भी जुड़ जाएगी। नए मेट्रो स्टेशन में तीन सबवे होंगे - स्टेशन को प्रदर्शनी हॉल, कन्वेंशन सेंटर और सेंट्रल एरिना से जोड़ने वाला 735 मीटर लंबा सबवे; द्वारका एक्सप्रेसवे में प्रवेश/निकास को जोड़ने वाला दूसरा सबवे; जबकि तीसरा सबवे मेट्रो स्टेशन को %यशोभूमि% के भविष्य के प्रदर्शनी हॉल के फ़ोयर से जोड़ता है।

दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेनों की प्रचालन गति को भी 90 से बढ़ाकर 120 किमी/घंटा करेगी जिससे यात्रा का समय कम होगा। नयी दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 तक की यात्रा में करीब 21 मिनट लगेंगे।

भारत 100 मेगावाट बिजली की पायलट परियोजना शुरू करेगा-आरके सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने कहा है कि भारत जल्द ही भंडार की गई हरित हाइड्रोजन का उपयोग करके निरंतर 100 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए एक पायलट परियोजना शुरू करेगा। सिंह ने कहा कि आगे आने वाले समय में भारत दुनिया में हरित हाइड्रोजन और अमोनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और सबसे बड़ा निर्यातक होगा। उन्होंने कहा देश के पास सबसे सस्ती नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि देश ने पहले से ही हरित हाइड्रोजन के लिए पर्याप्त विनिर्माण क्षमता हासिल कर ली है और खुद को इस तेजी से बढ़ रहे क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित किया है। सिंह यहां भारतीय उद्योग परिसंघ और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा स्वच्छ ऊर्जा पर आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में बोल रहे थे। इसका विषय था - 'स्वच्छ ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक चैंपियन-नवाचार और विनिर्माण।'

केदारनाथ-बदरीनाथ उत्तराखंड चार धाम पर सामने आया बड़ा अपडेट

हो सकती परेशानी

देहरादून। उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। केदारनाथ धाम में बंद का ऐलान किया है। जबकि, गंगोत्री और बदरीनाथ हाईवे मलबा आन से बाधित हो गया है। ऐसे में तीर्थ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नेशनल हाईवे बंद से जगह-जगह यात्री फंस गए हैं।

तो दूसरी ओर, केदारनाथ आपदा से प्रभावित तीर्थ पुरोहितों को 2013 से भूमिधर अधिकार के तहत भवन नहीं दिये जाने और खड़े भवनों के साथ छेड़छाड़ किये जाने से आक्रोशित तीर्थ पुरोहितों ने समस्त केदारनाथ धाम से लेकर यात्रा पड़ावों तक बंद का ऐलान किया है। शनिवार से रविवार सुबह तक 24 घंटे तक केदारपुरी के बाजार बंद रहेंगे, जिससे तीर्थ यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा । **गंगोत्री-**

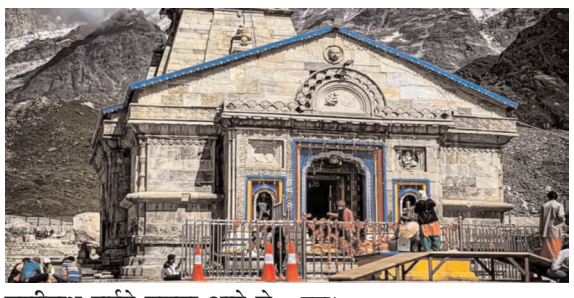

बदरीनाथ हाईवे मलबा आने से बाधित-उत्तराखंड में बारिश आफत बनी जा रही है। नेशनल हाईवे पर मलबा आने से ऋषिकेश-गंगोत्री और ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे चार घंटे बाधित रहा। इससे पहाड़ आने जाने वाले लोगों को भारी दिक्कत उठानी पड़ी। सुबह करीब आठ बजे बदरीनाथ हाईवे पर तोताघाटी और व्यासी के पास चट्टान टूटकर गिरने से हाईवे बाधित हो गया। करीब 11 बजे हाईवे को वाहनों के लिए खोल दिया गया।

उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में बारिश पर अलर्ट

उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में चार धाम यात्रा रूट पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों से अपील की जाती है गंगोत्री, यमुनोत्री, बंदरीनाथ सहित चार धाम यात्रा पर जाने से पहले मौसम पूर्वानुमान का अपडेट जरूर ले लें। भारी बारिश पर अलर्ट जारी किया गया है।

रक्षा मंत्री ने 23 नए सैनिक स्कूलों को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। देश के हर कोने तक सैनिक स्कूलों की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना के तहत सरकार ने 23 नए सैनिक स्कूलों को मंजूरी दे दी है।

छठी कक्षा से शुरू होने वाले ये सैनिक स्कूल गैर-सरकारी संगठनों, निजी स्कूलों और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी क्रमबद्ध तरीके से खोले जाएंगे। इन स्कूलों को 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की सरकार की पहल के तहत मंजूरी दी गई है। इस पहल के तहत सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा नए सैनिक स्कूलों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न आवेदनों के मूल्यांकन के बाद 23 नए स्कूलों को खोलने की मंजूरी दी है। इस पहल से सैनिक

स्कूल सोसाइटी के तत्वावधान में साझेदारी मोड के तहत खुलने वाले नए सैनिक स्कूलों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है, इसके अलावा मौजूदा 33 सैनिक स्कूल पहले से ही पूर्ववर्ती पैटर्न के तहत काम कर रहे हैं। नए सैनिक स्कूलों की स्थापना का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने सहित बेहतर कैरियर के अवसर प्रदान करना है। यह निजी क्षेत्र को, युवाओं को कल का जिम्मेदार नागरिक बनाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम करने का अवसर भी देता है। नए 23 सैनिक स्कूलों की प्रदेश वार सूची सैनिक स्कूल की वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नए सैनिक स्कूल, संबंधित शिक्षा बोर्डों से संबद्धता के अलावा, सैनिक स्कूल सोसायटी के तत्वावधान में कार्य करेंगे और सोसायटी द्वारा निर्धारित साझेदारी मोड में नए सैनिक स्कूलों के लिए नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। वे अपने नियमित संबद्ध बोर्ड पाठ्यक्रम के अलावा सैनिक स्कूल पैटर्न के छात्रों को अकादमिक प्लस पाठ्यक्रम की शिक्षा भी प्रदान करेंगे।

अनंतनाग के 'नागों' का फन कुचल रही सेना, भागते दिखे आतंकी

ड्रोन फुटेज में हुआ सबकुछ रिकॉर्ड

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों के साथ भारतीय सेना की मुठभेड़ चौथे दिन भी जारी है। पहाड़ी इलाके के जंगलों में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए चल रहे अभियान में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाल ही में एक फुटेज सामने आया है जिसमें आतंकी अपनी जान बचा कर भागते दिखाई दे रहे हैं। सेना की कार्रवाई से पस्त आतंकी अब अपनी जान बचाने के लिए मजबूर हो रहे हैं और इधर-उधर भागते दिखाई दे रहे हैं। ड्रोन से की जा रही निगरानी के आधार पर सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के छिपने की जगह पर मोर्टार के गोले दागे हैं। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर रखा है। ऐसा लगता है कि अब आतंकियों की खैर नहीं है। सेना इस मुठभेड़ में जल्द ही विजय पा लेगी। दक्षिण कश्मीर जिले के कोकेरनाग इलाके के गडोले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में बुधवार सुबह सेना की 19 राष्ट्रीय

राइफल्स इकाई के कमांडिंग अधिकारी कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोचक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट्ट के साथ ही एक सैनिक ने अपनी शहादत की। सेना के जवानों की शहादत बेकार न जाए इसके लिए भारतीय सेना चुन-चुनकर आतंकियों से बदला ले रही है।

लखनऊ में बड़ा हादसा; रेलवे कॉलोनी में मकान ढहा, मलबे में दबकर पांच लोगों की दर्दनाक मौत

लखनऊ। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली रेलवे कॉलोनी में देर रात एक मकान की छत ढह गई, जिससे पांच लोगों की दब जाने से मौत हो गई। बारिश के बाद मकान और कमजोर हो गया था। सुबह सफाईकर्मियों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पुलिस और एनडीआरएफ की टीम पहुंची।

टीम ने मलबा हटाकर पांच लोगों को बाहर निकला और उन्हें इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और सुबह लोगों का तांता लग गया जिसे संभालने के लिए और पुलिस बुलानी पड़ी। मृतकों में सतीश चंद्र (40), सरोजनी देवी (35), हर्षित (13), हर्षिता (10) और अंश (5) शामिल हैं। डीसीपी

● डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत ही स्थानीय अधिकारियों से वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पूर्व ह्रदेश कुमार ने बताया कि पुरानी रेलवे कॉलोनी में घर की छत ढह गई। परिवार के पांच लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

200 परिवार रहते हैं कॉलोनी में, मकान जर्जर

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली कॉलोनी में करीब 200 परिवार रहते हैं। कॉलोनी के ज्यादातर मकान जर्जर हैं और कंडम घोषित किए जा चुके हैं। बावजूद इसके रेलवे प्रशासन ने लोगों से मकान खाली नहीं करवाए और लोग रह रहे हैं। जिसके चलते हादसा हुआ।

देखते देखते तबाह हो गया परिवार

जिस मकान की छत गिरी उस वक्त मकान में पांच लोग थे, जिनकी मौत मलबे में दबने से हुई है। सतीश चंद्र के पिता रामचंद्र पहले रेलवे में थे जिनकी मृत्यु के बाद मां का भी निधन हो गया और सतीश चंद्र को अनुकंपा पर नौकरी मिलने की उम्मीद थी। सतीश अपने परिवार के साथ यहां रहते थे जबकि सतीश के भाई अमित भी रेलवे में है।

हादसे पर डिप्टी सीएम ने जताया दुःख, त्वरित राहत कार्य के दिए निर्देश

हादसे पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गहरा दुःख जताते हुए त्वरित राहत कार्य के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत ही स्थानीय अधिकारियों से वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि रेलवे का यह मकान काफी पुराना था। अन्य कोई व्यक्ति इसमें फंसा ना हो। इस कारण मलबे को तुरंत हटाया जा रहा है। डिप्टी सीएम ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार के शेष परिजनों को सरकार की ओर से हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी।

केरल में निपाह संक्रमितों के कॉन्टैक्ट में 1008 लोग आए, इनमें 327 स्वास्थ्य कर्मी

नई दिल्ली। केरल के कोझिकोड में शुक्रवार को एक और व्यक्ति के निपाह वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसी के साथ राज्य में निपाह वायरस के चार एक्टिव मामले हो गए हैं। केरल के कोझिकोड में निपाह वायरस का छठा केस मिलने के बाद सभी स्कूल-कॉलेज और ट्यूशन सेंटर्स को 24 सितंबर तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। 14 सितंबर से ही शैक्षणिक संस्थाएं बंद हैं। दूसरी तरफ निपाह वायरस से संक्रमितों के कॉन्टैक्ट में आने वाले लोगों की संख्या 1008 हो गई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि इनमें से 327 स्वास्थ्य कर्मी हैं। कोझिकोड जिले के बाहर संक्रमितों के संपर्क में 29 लोग आए हैं। कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में मलप्पुरम के 22, वायनाड के 1 और कन्नूर-त्रिशूर जिले के 3-3 लोगों की पहचान हुई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ये आंकड़ा और बढ़ सकता है। कोझिकोड में निपाह वायरस से 30 अगस्त को पहली और 11 सितंबर को दूसरी मौत हुई थी। 30 अगस्त को मृतक के अंतिम संस्कार में 17 लोग शामिल हुए थे। इन सभी को आइसोलेशन में रखा गया है।

निपाह के 4 एक्टिव मामलों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल

केरल में स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को कोझिकोड में एक व्यक्ति (39) के निपाह वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की थी। इसी के साथ कोझिकोड में निपाह वायरस के चार एक्टिव मामले हो गए। इनमें एक 9 साल के बच्चे की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में भर्ती है।

कोरोना के मुकाबले निपाह वायरस से मृत्यु दर काफी ज्यादा

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डीजी राजीव बहल ने शुक्रवार को बताया कि निपाह वायरस से मृत्यु दर 40-70 प्रतिशत है। यह कोरोना वायरस से होने वाली मृत्यु दर की तुलना में काफी ज्यादा है। कोरोना से मृत्यु दर 2-3 प्रतिशत है। ICMR ने बताया कि केरल में निपाह वायरस के फैलने की वजह साफ नहीं है। हालांकि, अधिक मृत्यु दर को देखते हुए ICMR ने सावधानी बरतने की अपील की है। केरल में लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, मास्क पहनने और चमगादड़ों के संपर्क में आने वाले कच्चे भोजन से दूर रहने की सलाह दी गई है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के 20 डोज मांगी-ICMR के बताया कि निपाह वायरस के इलाज के लिए भारत ने मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 और डोज ऑस्ट्रेलिया से मांगी है। अभी हमारे पास केवल 10 डोज मौजूद हैं। हमारे शरीर में मौजूद एंटीबॉडी को जब लेबोरेटरी में बनाया जाता है, इसे मोनोक्लोनल एंडीबॉडी कहते हैं। ये कैंसर समेत कई बीमारियों के इलाज में मददगार होती है। भारत के बाहर विश्व भर में अब तक निपाह से संक्रमित 14 लोगों को ही मोनोक्लोनल एंटीबॉडी दी गई है। इनमें सभी की जान बची है। भारत ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी डोज मंगवाए थे। उस साल केरल के कोझिकोड और मलप्पुरम जिले में निपाह से 17 लोगों की मौत हुई थी।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे